दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 10 अंक : 106 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शुक्रवार 09 मई, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

तनाव बढ़ाः प्रधानमंत्री मोदी ने की उच्चस्तरीय बैठक

सुरक्षा और तैयारियों पर दिया जोर

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान में बढ़ते तनाव को देखते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अलग-अलग मंत्रालयों के सचिवों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक के दौरान पीएम मोदी ने सुरक्षा और ऑपरेशनल तैयारियों को लेकर सतर्कता बनाए रखने और स्पष्ट संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि देश इस संवेदनशील दौर से गुजर रहा है, ऐसे में सतर्कता, संस्थागत समन्वय और साफ-साफ बातचीत जारी रखना आवश्यक है। साथ ही पीएम मोदी ने सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा, ऑपरेशनल तैयारियों और नागरिकों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को भी दोहराया। मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, बैठक में नागरिक रक्षा तंत्र को मजबूत करने, गलत जानकारी और फेक न्यूज का मुकाबला करने, और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। मंत्रालयों को राज्य अधिकारियों और जमीनी स्तर के संस्थानों के साथ करीबी समन्वय बनाए रखने की सलाह दी गई। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने मंत्रालयों की ओर से वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए की जा रही योजनाओं और तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही सचिवों को अपने मंत्रालयों की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा करने और आपातकालीन प्रतिक्रिया, आंतरिक संवाद प्रणालियों और तैयारियों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। बता दें कि बैठक में केंद्रीय सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी और रक्षा, गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, सूचना व प्रसारण, ऊर्जा, स्वास्थ्य और दूरसंचार मंत्रालयों के सचिव भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने यह बैठक भारतीय सेना के तरफ से पाकिस्तान और आतंकियों पर चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के एक दिन बाद की है।

सीएम की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक में निर्णय

राजस्थान में कर्मचारियों की छुट्टियाँ रद्द

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से सीमावर्ती जिलों जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर और गंगानगर की स्थिति पर फोकस किया गया। मुख्यमंत्री ने इन चारों जिलों के कलेक्टर और एसपी से सीधे संवाद कर वहां की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव सुधांशु पंत, गृह सचिव आनंद कुमार, डीजीपी यू.आर. साहू, एडीजी लॉ एंड ऑर्डर विशाल बंसल, डीजी इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल और सचिव सिद्धार्थ सिहाग समेत उच्च अधिकारी मौजूद रहे। सभी संबंधित एजेंसियों को सतर्क रहने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए गए। प्रदेश में हालात को देखते हुए राज्य सरकार ने सभी सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियाँ रद्द कर दी हैं। विशेषकर प्रशासन, पुलिस, चिकित्सा, परिवहन और आपदा प्रबंधन से जुड़े कर्मचारियों को तत्काल ड्यूटी पर लौटने के आदेश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसमें कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में इंटेलिजेंस इनपुट और सीमावर्ती इलाकों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि किसी भी अफवाह पर तुरंत कार्रवाई हो और आमजन को समय-समय पर सही जानकारी दी जाए। राज्य सरकार हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर आगे भी कड़े फैसले लिए जाएंगे।

श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर में स्कूले बंद

पाकिस्तान ने किया भारत के तीन सैन्य ठिकानों पर हमला, एयरडिफेंस ने कर दिया नाकाम

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर एक बार फिर हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। 7-8 मई की रात पाकिस्तान ने भारत के तीन सैन्य ठिकानों पर बड़ा हमला करने की साजिश रची, लेकिन भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम की सतर्कता ने इस मंसूबे को नाकाम कर दिया। बीकानेर के नाल, बाड़मेर के उत्तरलाई और फलोदी एयरबेस पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए गए थे, जिन्हें समय रहते निष्क्रिय कर दिया गया। बीकानेर में नाल एयरबेस से कुछ किलोमीटर की दूरी करणीसर भाटियान क्षेत्र में देर रात ग्रामीणों को जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। गुरुवार सुबह जब ग्रामीण खेतों की ओर गए, तो उन्हें वहां बमनुमा धातु के अवशेष मिले। सेना और पुलिस की टीमें तत्काल मौके पर पहुंच गईं और पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। भारत सरकार की ओर से पीआईबी ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि सीमावर्ती इलाकों में पहले से तैनात अत्याधुनिक एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान की हर चाल को नाकाम किया। विभिन्न जगहों पर मिले मलबे से यह स्पष्ट हो गया है कि हमला पाकिस्तान की ओर से ही हुआ था। पाकिस्तान की इस बौखलाहट के बाद गृह मंत्रालय की ओर से प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। प्रदेश के सीमा से लगते इलाकों में ब्लैकआउट घोषित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। राजस्थान पैरामेडिकल स्टाफ की छुट्टियां रद्द कर दी गईं हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। सीमाओं पर गश्त बढ़ाने के साथ-साथ उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। साथ ही स्कूलों को बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि एहतियात के तौर पर श्रीगंगानगर, बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर जिलों में सरकारी और निजी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। जोधपुर के सभी कॉलेजों को भी बंद रखने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा एहतियात के तौर पर बीकानेर, अजमेर के किशनगढ़ और जोधपुर हवाई अड्डों पर 10 मई तक उड़ानों का परिचालन निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिति का जायजा लेने के बाद यह निर्णय लिया गया। सूत्रों के अनुसार मुख्य सचिव सुधांश पंत और राज्य पुलिस प्रमुख यूआर साहू ने संभागीय आयुक्तों, कलेक्टरों और पुलिस महानिरीक्षकों तथा पुलिस अधीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक की और उन्हें अपने मुख्यालयों में मौजूद रहने के निर्देश दिए।

पाकिस्तान की कई इमारतों को भारी नुकसान

दुनिया के सबसे घातक ड्रोन हार्पी ने पाकिस्तान में मचाया हाहाकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना ने गुरुवार को दावा किया कि भारत ने कराची और लाहौर जैसे बड़े शहरों सहित कई स्थानों को निशाना बनाने के लिए ड्रोन हमले किए हैं। भारत ने पाकिस्तान के जिन इलाकों को निशाना बनाया है, उन जगहों पर इस्राइल से मिले हार्पी ड्रोन का इस्तेमाल किया है। दुनिया के सबसे घातक ड्रोन में शुमार हार्पी ने पाकिस्तान की कई इमारतों का भारी नुकसान पहुंचाया है। सरकार का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और अब तक 100 से अधिक आतंकी भारतीय सेना की कार्रवाई में मारे गए हैं। हार्पी ड्रोन इस्राइल की ओर से निर्मित मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) है, जिसे इस्राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है। यह एक लॉइटरिंग म्युनिशन है। जिसे मुख्य रूप से दुश्मन के रडार सिस्टम और हवाई रक्षा प्रणालियों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह ड्रोन निगरानी और सटीक हमले दोनों में सक्षम है, जो इसे सैन्य अभियानों में एक प्रभावी हथियार बनाता है। हार्पी ड्रोन का फायर एंड फॉरगेट मिसाइल भी कहा जाता है। क्योंकि हमला करने के बाद ये ड्रोन नष्ट हो जाता है। भारत ने इन्हें 2000 में इस्राइल से खरीदा था।

अस्पतालों की व्यवस्था चाक चौबंद

राज्य के गृह विभाग ने वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए सभी जिला कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनन्द कुमार ने समस्त अस्पतालों में सभी प्रकार की आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं रखने, डॉक्टर मय स्टाफ के उपस्थित रहने और ब्लड बैंक में सभी ग्रुपों के रक्त की पर्याप्त मात्रा रखने के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसके साथ ही चिन्हित अस्पतालों और स्कूलों में, जहां पर अस्थाई अस्पताल एवं लोगों के रहने की व्यवस्था की जा सकती है, वहां जनरेटरों की व्यवस्था भी सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

भारत-पाकिस्तान की 1070 किमी लंबी सीमा सील

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारत-पाकिस्तान की 1070 किमी लंबी सीमा को पूरी तरह सील कर दिया गया है। वेस्टर्न सेक्टर के पांच से ज्यादा एयरबेस से लगातार फाइटर जेट्स गश्त कर रहे हैं। वहीं, सीमावर्ती गांवों में पाकिस्तानी सेना की हलचल भी देखी गई है।

हार्पी ड्रोन के बारे में विस्तृत जानकारी

हार्पी ड्रोन को इस्राइल ने 1980 के दशक में विकसित किया गया था। यह मूल रूप से सप्रेशन ऑफ एनिमी एयर डिफेंस मिशनों के लिए बनाया गया था, जिसमें दुश्मन के रडार और हवाई रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाया जाता है। हार्पी का एक उन्नत संस्करण, हारोप बाद में विकसित किया गया, जिसमें अधिक उन्नत सेंसर और लंबी रेंज शामिल है। हारोप को भारत सहित कई देशों ने अपनाया है। इसे खुद या ऑपरेटर से संचालित किया जा सकता है। लॉइटरिंग म्युनिशन (कामिकेज ड्रोन), जो लक्ष्य पर सीधे हमला करने के लिए खुद को नष्ट कर देता है। ये ड्रोन अधिकतम 185 किमी/घंटा (115 मील/घंटा) गति से उड़ान भर सकता है। इस ड्रोन के अलग-अलग संस्करण 500 से लेकर 1000 किमी तक की दूरी तय कर सकते हैं। एक बार एयरबोर्न होने पर ये आसमान में करीब छह से नौ घंटे तक रह सकते हैं। ये ड्रोन अपने साथ 32 किलो तक हथियार लेकर उड़ सकते हैं। हार्पी ड्रोन हवा में लंबे समय तक मंडराने की क्षमता रखता है। यह किसी निर्धारित क्षेत्र में उड़ान भरता है, दुश्मन के रडार सिग्नल का पता लगाता है, और फिर स्वचालित रूप से या ऑपरेटर के आदेश पर लक्ष्य पर हमला करता है। यह ड्रोन अपने लक्ष्य पर गोता लगाकर हमला करता है और अपने विस्फोटक वारहेड के साथ खुद को नष्ट कर देता है, जिससे लक्ष्य को भारी नुकसान होता है।

10 मई तक बंद रहेंगे एयरपोर्ट्स और स्कूल

सुरक्षा कारणों से बीकानेर, किशनगढ़ और जोधपुर एयरपोर्ट्स से सभी उड़ानें 10 मई तक रद्द कर दी गई हैं। जयपुर एयरपोर्ट से भी गुरुवार को चार फ्लाइट्स कैंसिल की गई हैं। इंडिगो ने बीकानेर से अपनी सभी उड़ानों को 10 मई तक स्थगित कर दिया है। रेलवे ने भी उत्तर-पश्चिम रेलवे ज़ोन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों में रात 12 से सुबह 4 बजे तक ब्लैकआउट

गृह मंत्रालय ने सीमावर्ती क्षेत्रों में रात 12 से सुबह 4 बजे तक ब्लैकआउट लागू करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही जोधपुर, फलोदी, जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर और बीकानेर जिलों के सभी स्कूलों, आंगनबाड़ियों और मदरसों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। जोधपुर में कॉलेजों और परीक्षाओं को भी आगामी सूचना तक स्थगित कर दिया गया है।

कंधार विमान अपरहण के मुख्य सूत्रधार अब्दुल रउफ असगर को भी मारा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले में भारत ने कंधार का हिसाब भी चुकता कर लिया। जैश ए मोहम्मद के बहावलपुर स्थित मुख्यालय में हुए हमले में कंधार विमान अपरहण का मुख्य सूत्रधार अब्दुल रउफ असगर मारा गया। 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान आइसी 814 के अपहरण के बाद भारत को आतंकी सरगना मसूद अजहर के साथ दो अन्य आतंकियों को छोड़ना पड़ा था, जिसने बाद में जैश ए मोहम्मद जैसा दुर्दांत आतंकी संगठन खड़ा किया। रउफ असगर जैश ए मोहम्मद का आपरेशन प्रमुख होने के साथ ही मसूद अजहर का भाई भी था। सुरक्षा एजेंसी के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार बहावलपुर के जैश मुख्यालय पर किये गए हमले में रउफ असगर के मारे जाने की पुष्टि हो गई है। मसूद अजहर के परिवार के सदस्यों के बीच बातचीत से उसकी मौत की पुष्टि हुई। ध्यान देने की बात है कि मसूद अजहर ने बुधवार को खुद अपने परिवार के 14 सदस्यों की मौत की पुष्टि की थी। रउफ असगर ने कंधार विमान अपहरण कर उसे कश्मीर की जेल से बाहर निकाला था।

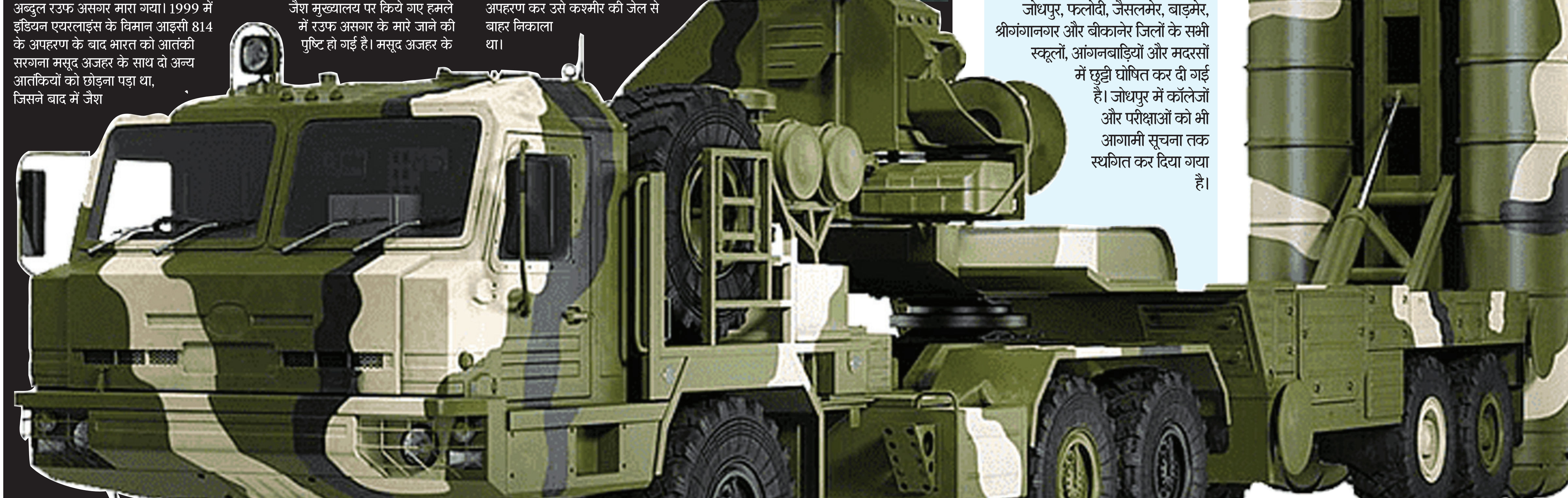

फ्लिपकार्ट डिलीवरी बॉय से 35 हजार की घड़ी लूटने वाले तीन आरोपी व एक बाल अपचारी पकड़े

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। सदर थाना पुलिस ने फ्लिपकार्ट कंपनी के डिलीवरी बॉय से 35 हजार रुपये की घड़ी लूटने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन बदमाशों और एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया है सदर थाना अधिकारी रमेश सैनी ने बताया कि 7 मई को परिवादी अब्दुल वहीद ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी शुभम शर्मा ने शुभम नाम से एक फर्जी डिलीवरी बुक करवाई थी। आरोपी ने पहले शिवाजी पार्क पर डिलीवरी के लिए बुलाया, लेकिन वहां सही पता नहीं मिलने का बहाना बनाकर टेल्को चौराहा बुला लिया। जैसे ही डिलीवरी बॉय टेल्को चौराहा पहुंचा, वहां एक स्विफ्ट कार में बैठे बदमाशों ने उससे डिलीवरी पैकेट छीन लिया और फरार हो गए। उस पैकेट में करीब 35 हजार रुपये की घड़ी थी पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी शुभम शर्मा पुत्र रोहताश (22), लक्ष्य पुत्र जसवंत (19), दोनों निवासी शिवाजी पार्क, आयुष पुत्र घनश्याम (22) निवासी स्कीम 10 व एक बाल अपचारी को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने वारदात को स्वीकार कर लिया है। आरोपियों से लूटी गई घड़ी बरामद कर ली गई है और वाहन को जब्त किया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

सेवा कार्यो के लिए नेक कमाई को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। विश्व रेड क्रॉस दिवस पर रेड क्रास सोसायटी और ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज की ओर से नेक कमाई फाउंडेशन को सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। आईएमए के अध्यक्ष डा. एस. सी. मितल ने बताया कि यह पुरस्कार संरक्षक मंजू चौधरी अग्रवाल, दौलत राम हजरती और फाउंडर धर्मेन्द्र अदलकखा ने प्राप्त किया। मुख्य कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेकटर डॉ अर्तिका शुकला ने यह पुरस्कार प्रदान किया। नेक कमाई दो वर्षों में 263 जरूरतमंद बेटियों का कन्यादान कर चुका है। जबकि कचरा बीनने व भीख मांगने वाले बच्चों के दो स्कूल संचालित कर रहा है। इसी के साथ महिला सशकितकरण के लिए बिंदू कपूर के नेतृत्व में सिलाई व बयूटी पार्लर का निशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें सैकड़ों युवतियां प्रशिक्षण ले रही है। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी कार्य कर रहे हैं।

वाटर कूलर का किया उद्धघाटन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। हेल्प ऑल फाउंडेशन व विज़न सहयोग द्वारा पुराना सूचना केंद्र के पास वाटर कूलर का उद्घाटन नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र कुमार नरूका ने किया गर्मियों में आमजन को ठंडे व स्वच्छ जल की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हेल्प ऑल फाउंडेशन द्वारा विज़न सहयोग के साथ मिलकर पुराना सूचना केंद्र के पास वाटर कूलर की व्यवस्था की गई। उद्धघाटन के अवसर पर हेल्प ऑल फाउंडेशन के चंद्रप्रकाश, विजय यादव, संजय टांक, मुकेश कुमार और अजय, ईशान जायसवाल, छवि जायसवाल उपस्थित रहे। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन से प्रदेश अध्यक्ष गोपाल जायसवाल एवं उनके अन्य सदस्यगण भी इस आयोजन में मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और गर्मी में इस प्रकार की सामाजिक सेवाओं को अत्यंत आवश्यक बताया।

चिकित्सा विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के अवकाश निरस्त

जयपुर टाइम्स

सीकर(निसं.)। आपदा प्रबंधन को देखते हुए चिकित्सा विभाग के सभी चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी, पैरा मेडिकल स्टाफ के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं। इस संबंध में निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ रवि प्रकाश शर्मा ने गुरूवार को आदेश जारी किए। सीएमएचओ डॉ अशोक महरिया ने सभी बीसीएमओ को निर्देशित किया है कि बिना सक्षम स्तर की अनुमति के बिना चिकित्सक, नर्सिंग ऑफिसर व पैरा मेडिकल स्टाफमुख्यालय नहीं छोड़े। उन्होंने बताया निदेशालय स्तर से सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं।

विश्व रेड क्रॉस दिवस धूमधाम से मनाया

ऑपरेशन अभ्यास के तहत सी.पी.आर.,बेसिक लाइफ सपोर्ट की ट्रेनिंग देकर 500 से अधिक नए डॉक्टर्स एवं नर्सिंग स्टूडेंट्स को इमरजेंसी के लिए किया तैयार -डॉ.एस.सी.मित्तल

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, अलवर ई.एस.आई.सी. मेडिकल कॉलेज अलवर, मेडिकल स्टूडेंट्स नेटवर्क के संयुक्त तत्वाधान में विश्व रेड क्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में ई.एस.आई.सी. मेडिकल कॉलेज, देसुला, एम.आई.ए., अलवर में ऑपरेशन अभ्यास के तहत सी.पी.आर.,बेसिक लाइफ सपोर्ट की ट्रेनिंग देकर 500 से अधिक नए डॉक्टर्स एवं नर्सिंग स्टूडेंट्स को इमरजेंसी के लिए तैयार किया वही रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ मिलकर या जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सिद्धान्तों पर चलते हुए मानव सेवा की है तकरीबन 20 लोगो को सम्मानित भी किया गया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी अलवर के सचिव डॉ. रूप सिंह ने बताया कि विश्व रेड क्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में ई.एस.आई.सी. मेडिकल कॉलेज, देसुला, एम.आई.ए., अलवर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, अलवर की अध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर अलवर डॉ. अर्तिका शुक्ला रही कार्यक्रम अध्यक्षता इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, अलवर के चेयरमैन डॉ. एस. सी. मित्तल ने की। कार्यक्रम संयोजक सेंट जॉन एम्बुलेंस इंडिया, अलवर के चेयरमैन गिरीश गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम का प्रारम्भ सर हेनरी डूनेंट की तस्वीर पर दीप प्रज्वलन कर विश्व शांति के लिए एक मिनट का मौन रखा गया तद्पश्चात सभी अतिथियों का दुपट्टा उढ़ाकर , पौधा एवं प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया गया। डॉ. अनुरिता झा की बच्चियों द्वारा कत्थक नृत्य के माध्यम से सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागत उद्बोधन में इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, अलवर के चेयरमैन डॉ. एस. सी. मित्तल ने सभी का शब्दों के माध्यम से स्वागत करते हुए कहा कि कार्यक्रम का नाम हमने ऑपरेशन अभ्यास रखा है क्योकि इस वक़्त हो रहे देश के हालातो को मध्यनजर रखते हुए आने वाले भविष्य के 500 से अधिक चिकित्सको एवं नर्सिंग स्टूडेंट्स को सी.पी.आर की टैनिंग दिलवा रहे है ताकि किसी भी आपातकालीन परिस्तिथियों में हमारे पास 500 से अधिक चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टूडेंट्स एक दम तैयार रह सके साथ ही स्वेच्छिक रक्त दान के लिए सभी को मोटीवेट किया ताकि जरुरत पड़ने पर तुरन्त हमारे पास डोनर भी उपलब्ध रहे। डॉ. मित्तल ने कहा कि हर भारतीय को अपनी सक्रीय भूमिका निभाते हुए शासन एवं प्रशासन को पूरा तन,मन,धन से सहयोग करना चाहिए। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, अलवर के सचिव डॉ. रूप सिंह ने अपने उद्बोधन में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी अलवर शाखा द्वारा किये गए कार्यो का उल्लेख करते हुए कहा कि आपातकालीन हालातो से निपटने के लिए घर घर में कम से कम 2 लोग एक सैनिक के रूप में तैयार रहने चाहिए भले हथियार चलाना ना आये परन्तु घायल सैनिको को मेडिकल फैसिलिटी, भोजन सामग्री पहुँचाना इत्यादि कार्यो के साथ बहुत बडा काम कर सकते है कार्यक्रम में सी.पी.आर. की ट्रेनिंग अलवर शाखा की मुख्य ट्रेनर डॉ. कुमुद गुप्ता ने दी। पी.पी,टी. के माध्यम से अलवर शाखा द्वारा किये गए कार्यो को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान तकरीबन 21 इसे लोगो को सम्मानित भी किया गया जिनमे इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी अलवर की ब्रांच सेंट जॉन एम्बुलेंस इंडिया अलवर शाखा के चेयरमैन गिरीश गुप्ता, मुख्य ट्रेनर भिवाड़ी डॉ. रूप सिंह , मुख्य ट्रेनर डॉ. कुमुद गुप्ता, ट्रेनर डॉ. शैलेन्द्र शर्मा, भिवाड़ी के मुख्य ट्रेनर डॉ. रूप सिंह, डॉ. कनिष्का, डॉ. कौशल, नेक कमाई समूह, नगर निगम के फायर इंचार्ज अमित मीना, सी ए श्रीकृष्ण गुप्ता, एक प्रयास संस्था , ई.एस.आई.सी. मेडिकल कॉलेज अलवर से डॉ. अजय नेने, डॉ. विवेक तिवारी, निर्मल सैनी, धर्मेन्द्र मीना, मनीष मीना, रुचिका शर्मा, आशीष मीना, डॉ. अंशु मिश्रा, मेडिकल स्टूडेंट्स नेटवर्क से मनोज बुरडक, विकास लोहान, स्नेहिल सैनी इत्यादि सम्मानित किये गए। लाइफ मेम्बर हरी प्रसाद शर्मा ने डीन डॉ. असीम दास को साफा एवं डॉ. नन्दनी शर्मा को भी शौल उढ़ाकर उनको सम्मानित किया। अलवर जिले की इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की अध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर अलवर डॉ.अर्तिका शुक्ला ने अपने उद्बोधन में कहा कि अलवर शाखा द्वारा बेहतरीन कार्य किये जा रहे है साथ ही सर्जिकल स्ट्राइक के हालातो को देखते हुए सी.पी.आर. एवं बेसिक लाइफ सपोर्ट की ट्रेनिंग देना अपने आप में भारत के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरा करना है हर व्यक्ति को सी.पी.आर. एवं बेसिक लाइफ सपोर्ट की ट्रेनिंग आनी चाहिए ताकि विषम परिस्तिथियों में आप किसी के भी काम आ सके। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को कार्यक्रम का प्रतीक चिन्ह देकर डॉ. अनिल नेने ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी को सफल कार्यक्रम की बधाई दी।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए हुई जिला जज अनंत भण्डारी की अध्यक्षता में बैठक

जिला जज ने प्रत्येक न्यायिक अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए अधिकाधिक प्रकरणों को निस्तारण के निर्देश प्रदान किए

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर द्वारा प्रदत्त निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर द्वारा 10 मई को अलवर जिले के समस्त न्यायालयों में लंबित प्रकरण या विवाद पूर्व प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए आयोजित होने वाली वर्ष 2025 की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए गुरुवार दोपहर को साढ़े 12 बजे जिला एवं सेशन न्यायाधीश अनंत भण्डारी की अध्यक्षता में जिले के समस्त न्यायिक अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में जिला जज अनंत भण्डारी की अध्यक्षता में अलवर मु यालय के समस्त न्यायिक अधिकारीगण के साथ जिला जज के अवकाशागार में एवं तालुका व अन्य न्यायिक मु यालय के न्यायिक अधिकारियों के साथ वेबएक्स एप्लीकेशन के माध्यम से वर्चुअल मीटिंग का आयोजन किया गया। जहां जिला जज अनंत भण्डारी द्वारा राजीनामा योग्य प्रकरणों जिनमें विशेष तौर पर एन आई एक्ट, फैमिली, एमएसीटी आदि प्रकरणों मे नियमित रूप से प्रीकाउंसलिंग एवं सुलहवार्ता करने के दिशा निर्देश प्रदान किये गये। जिला जज द्वारा प्रत्येक न्यायिक अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए अधिकाधिक निस्तारण के निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही समस्त तालुका अध्यक्ष को राजस्व अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने के साथ अधिकाधिक प्रकरणों को चिन्हित एवं निस्तारण करने के दिशा निर्देश भी प्रदान किये गये। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के सचिव मोहन लाल सोनी ने बताया कि लोक अदालत का समय प्रात 10 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा। उन्होंने बताया कि बैठक में नि नांकित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं, जिसमें संबंधित न्यायालय द्वारा अपने कुल राजनामा योग्य लं बत प्रकरणों का कम से कम 20 प्रतिशत का क्वालिटी रैफरल लोक अदालत हेतु किया जाना अनिवार्य है। बीमा कंपनी के नोडल अधिकारीगण, अधिवक्तागण के साथ तुरंत बैठक कर उनकी कठिनाईयों को सुनने एवं उनके निवारण के प्रयास किए जावें ओर बीमा क पनी से उन प्रकरणों की सूची प्राप्त की जावें जिनमें निगोशिएशन केवल क्षतिपूर्ति के क्वांटम पर किया जाना है। बीमा कंपनी से प्राप्त उक्त राजीनामा की संभावना वाले मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों को प्री-काउंसलिंग में रखा जाकर निस्तारण के प्रयास किए जावे।

जिला प्रशासन का नवाचार अभियान 'पहचान'

जिले में 15 मई से शुरू होगा प्रोजेक्ट 'पहचान' (अलवर की पहचान आत्मनिर्भर दिव्यांग)

दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर कराया जाएगा लाभांवित

अलवर(निसं.)।। जिले में दिव्यांगजनों को पात्रता अनुसार सरकारी योजनाओं से जोडकर आत्मनिर्भर बनाने हेतु 15 मई से प्रोजेक्ट 'पहचान' (अलवर की पहचान आत्मनिर्भर दिव्यांग) का शुभारम्भ किया जाएगा। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि अलवर पहचान अभियान का क्रियान्वयन जिले में दो चरणों में होगा जिसमें प्रथम चरण 15 मई से 6 अगस्त तक एवं द्वितीय चरण 7 अगस्त से शुरू होगा। अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार ब्लॉक स्तर पर अभियान के क्रियान्वयन हेतु उपखण्ड अधिकारी को नोडल अधिकारी एवं विकास अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। विभागीय समन्वय हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक को समन्वयक बनाया गया है। अभियान के प्रथम चरण में जिले के समस्त विभाग संबंधित कार्यकारी एजेंसी से सहयोग कर सुगम्य अलवर अभियान के तहत जिले के विशेष योग्यजन को सुगम्य एवं बाधा रहित वातावरण उपलब्ध कराने, दिव्यांगजनों के सुगम एवं अनुकूलित आवागमन हेतु राजकीय भवनों, बैंक परिसर में रैम्प, रैलिंग एवं साइन बोर्ड (दिव्यांग फ्रेंडली) आदि का निर्माण आदि कार्य करेंगे। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, चिकित्सा, महिला एवं बाल विकास एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग दिव्यांगजनों का सर्वे एवं चिन्हिकरण कर डोर टू डोर सर्वे कराकर पात्र वंचित लाभार्थियों को योजनाओं से जोडने हेतु कैम्प आयोजित कराएंगे। शिक्षा विभाग दिव्यांग बच्चों का चिन्हिकरण एवं डिजीटल ट्रेनिंग, दिव्यांगजनों का कौशल विकास प्रशिक्षण व दिव्यांग महिलाओं का सशक्तिकरण राजीविका के माध्यम से समूह निर्माण एवं डिजिटल साक्षर बनाने की दिशा में कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि अभियान के द्वितीय चरण में दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण एवं विभिन्न योजनाओं से लाभांवित कराया जाएगा तथा दिव्यांगजनों को वित्तीय उत्थान की योजनाओं से जोडा जाएगा।

शुद्ध आहार मिलावट पर वार' खाद्य पदार्थों के 302 नमूने जांच हेतु लिए, पाए 39 नमूने अवमानक स्तर के

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि जिले में मिलावटीखोरी पर लगाम लगाने हेतु चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत 1 मई से 8 मई तक खाद्य पदार्थों के 302 नमूने जांच हेतु लिए गए, जिनमें से 39 नमूने अवमानक स्तर के पाये गए। उन्होंने बताया कि अलवर शहर में अशोका टाकीज के सामने स्थित मैसर्स संतोष कुमार गुप्ता, यूआईटी के सामने स्थित मैसर्स राजस्थानी पवित्र भोजनालय, भगतसिंह सर्किल स्थित मैसर्स बाबा दा ढाबा, मैसर्स जयदुर्गा पवित्र भोजनालय व मैसर्स न्यू हिंदुस्तानी पवित्र भोजनालय, मुगस्का स्थित मैसर्स अल्कारिम रेस्टोरेंट, 200 फीट रोड स्थित राज पवित्र भोजनालय, समीन टावर स्थित मैसर्स बूराक रेस्टोरेंट एण्ड कैफे, 60 फीट रोड मैसर्स जैन स्वीट्स होम, मैसर्स जायका दिल्ली-9 फैमिली रेस्टोरेंट, जुबली बास स्कीम नं. 2 स्थित मैसर्स साउथ स्ट्रीट, मैसर्स चोपशॉप, लाजपत नगर स्थित मैसर्स श्री श्याम फास्ट फूड, राठी मार्केट एमआईए स्थित मैसर्स छोटे लाल मिष्ठान भंडार, जेल सर्किल स्थित मैसर्स कपूर मिष्ठान भंडार तथा दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे पिनान राजगढ स्थित मैसर्स सावोर सागा वेंचर व मैसर्स बांसुरी वाला, पिनान स्थित मैसर्स रामप्रसाद एण्ड कंपनी एवं रामगढ में मैसर्स इरफान डेयरी में पनीर के नमूनों को जांच रिपोर्ट में असुरक्षित व अवमानक पाया गया। ढिगावडा स्थित मैसर्स श्री माताजी जोधपुर मिष्ठान भंडार, बख्तल की चौकी स्थित मैसर्स प्रजापति मिष्ठान भंडार, एमआईए स्थित मैसर्स श्री रामदेव जोधपुर मिष्ठान भंडार व मैसर्स पूरण मिष्ठान भंडार, प्रतापगढ चौराहा थानागाजी में मैसर्स श्रीकरनी जोधपुर मिष्ठान भंडार एवं शीतल में मैसर्स शिव भोले मिष्ठान भंडार में कलाकंद के नमूनों को जांच रिपोर्ट में असुरक्षित व अवमानक पाए गए। इसी प्रकार अलवर शहर के रेलवे स्टेशन स्थित मैसर्स महादेव ढाबा से आयोडीन युक्त नमक, बख्तल की चौकी स्थित मैसर्स चौहान इंटरप्राइजेज से खुले सरसो के तेल, मैसर्स अमित रसगुल्ला भंडार से रसगुल्ला व मैसर्स नवीन किराना एण्ड जनरल स्टोर से वरिया ब्रांड घी, केसरोली मोड स्थित मैसर्स अरजू जनरल स्टोर से रेड चिल्ली पाउडर, एमआईए स्थित मैसर्स गुप्ता मिष्ठान भंडार से खुले दही, मन्नाका रोड स्थित मैसर्स साबूर डेयरी से क्रीम (एमएफ), फौजी कॉलोनी स्थित मैसर्स मुस्कान डेयरी से घी, मैसर्स बाबा भर्तृहरि मेघा मार्ट से कृष्णा ब्रांड का तिल ऑयल, अम्बेडकर नगर स्थित मैसर्स क्वालिटी बाजार से रेड चिल्ली पाउडर, आर्य नगर स्थित मैसर्स दिनेश एण्ड कंपनी से घी (मिल्क फूड), 60 फीट रोड स्थित मैसर्स पंकज स्वीट्स से खोया एवं वीर चौक तांगा स्टेण्ड स्थित मैसर्स श्री जय हाउस से दही के नमूनों को जांच रिपोर्ट में असुरक्षित व अवमानक पाया गया। उन्होंने बताया कि उक्त खाद्य पदार्थों जो जांच रिपोर्ट में असुरक्षित एवं अवमानक पाए गए हैं उनकी फर्म/व्यक्ति के विरूद्ध सक्षम न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया जाएगा जिसमें सजा एवं जुर्माने का प्रावधान है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना: परंपरागत कारीगरों व शिल्पकारों के लिए शिविरों का होगा आयोजन

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। भारत सरकार द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत मोची, गुड़िया और खिलौने निर्माता, सुनार, हथौड़ा और टूल किट निर्माता, ताला बनाने वाले और शिल्पकार आदि पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों की समृद्ध परंपराओं को संरक्षित कर उनके विकास हेतु प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना लांच की गई। इस योजना में शिल्पकारों और कारीगरों को प्रमाण पत्र व आई.डी. कार्ड के जरिए पहचान मिलेगी तथा 5 प्रतिशत की रियायती दर के साथ ऋण की सहायता के साथ कौशल उन्नयन, टूलकिट प्रोत्साहन, डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहन और विपणन सहायता प्रदान की जाएगी।
व्यवसायों से जुड़े परंपरागत कारीगर व शिल्पकारों के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र की ओर से 9 मई को प्रातः 11 बजे नगर पालिका देशनोक में, 12 मई को प्रातः 11 बजे नगर पालिका नोखा में, 16 मई को प्रातः 11 बजे नगर पालिका श्रीडूंगरगढ़ में तथा 20 मई को प्रातः 11 बजे जय नारायण व्यास कॉलोनी स्थित ग्रामीण हाट में शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र की महाप्रबंधक मंजू नैण गोदारा ने बताया कि इस योजना में पारम्परिक व्यवसायों से जुड़े 18 वर्ष से अधिक उम्र के कारीगर एवं शिल्पकार जिन्होंने विगत 5 वर्षों से केन्द्र अथवा राज्य सरकार द्वारा संचालित स्वरोजगार या व्यवसायिक विकास ऋण योजनओं में ऋण नहीं लिया हो, आवेदक स्वयं अथवा परिवार में कोई भी सदस्य राजकीय सेवा में नहीं हो, एक परिवार में से केवल एक सदस्य ही योजना के अन्तर्गत आवेदन कर सकता है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में पात्र आवेदकों को उसके व्यवसाय से संबंधित पहचान पत्र व प्रमाण पत्र प्राप्त होगा, विश्वकर्मा द्वारा अपनाए गए व्यवसाय के लिए उन्नत उपकरणों की खरीद हेतु 15 हजार रूपए ई-वाउचर के माध्यम से प्राप्त होंगे। उन्होंने बताया कि कौशल सत्यापन के पश्चात् 5-7 दिवस की बेसिक स्किल ट्रेनिंग एवं इस दौरान 500 रुपए प्रतिदिन स्टाइपेंड, प्रथम किस्त के रूप में 5 प्रतिशत की रियायती दर से 1 लाख रूपए का बिना गारंटी ऋण, 15 दिवस की एडवांस स्किल ट्रेनिंग एवं इस दौरान 500 रुपए प्रतिदिन स्टाइपेंड, द्वितीय किस्त के रूप में 2 लाख का उद्यम विकास हेतु बिना गारंटी ऋण, डिजिटल ट्रांजेक्शन प्रोत्साहन के रूप में 1 रूपए प्रति ट्रांजेक्शन (अधिकतम 100 ट्रांजेक्शन प्रति माह) का प्रोत्साहन योजना में पंजीकृत आवेदकों को प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में पंजीयन के लिए आधार कार्ड, बैंक विवरण, राशन कार्ड (राशन कार्ड न होने पर परिवार के सभी सदस्यों के आधार नम्बर) एवं आधार से लिंक मोबाईल नंबर आवश्यक है। पात्र व्यक्ति आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर सीएससी के माध्यम से निःशुल्क पंजीयन करवा सकते हैं।

सरकारी अस्पतालों का औचक सघन निरीक्षण

सीकर(निसं.)। बदलते मौसम के साथ चिकित्सा विभाग के प्रदेश, जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने गुरूवार को जिले के चिकित्सा संस्थाओं का औचक सघन निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सालयों में गर्मी में लू तापघात और मौसमी बीमारियों से बचाव व उपचार के लिए किए गए इंतजाम परखें। साथ ही अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता, साफ सफाई, जांच उपरणों की ि याशीलता, स्टॉफ की उपस्थिति, बेड की उपलब्धता, पीने के पानी, कूलर, पंखे आदि के इंतजामों का जायजा लिया। साथ ही बिना सक्षम अनुमति के अवकाश पर नहीं जाने तथा संस्थान पर रहने के निर्देश दिए। निदेशक जन स्वास्थ्य की ओर से प्रदेश में 6 से 10 मई तक अस्पतालों में लू तापघात एवं मौसमी बीमारियों से बचाव की व्यवस्थाओं को जांचने और सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त निदेशक डॉ एसएन धौलपुरिया पिछले तीन दिन से लगातार संस्थाओं का निरीक्षण कर रहे हैं। गुरूवार को उन्होंने जिले के फतेहपुर ब्लॉक के रामगढ सेठान, ढाढ़ण, रोलसाहबसर तथा उप जिला अस्पताल फतेहपुर की व्यवस्थाओं को परखा। उन्होंने संस्थानों के ओपीडी, टीकाकरण, प्रसव, लेब, वार्ड, आपातकालीन किट, ओआरएस की उपलब्धता, दवा वितरण केन्द्र, दवाइयों की उपलब्धता व स्टॉक का जायजा लिया। उनके साथ अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ हर्षल चौधरी, पीएमओ डॉ सुभाष महला, बीसीएमओ डॉ दिलीप सिंह, डॉ सत्यनारायण सब्बल, डॉ मुकेश पालीवाल, डॉ अशोक चौधरी, डॉ जीवराज ढाका व डीपीसी एनटीसीपी डॉ संजय शर्मा सहित मौजूद रहे। वहीं विभाग के कार्यक्र म, योजना व गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की।

राज्य जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
09 मई, 2025

बांग्लादेशी/रोहिंग्या के निष्कासन हेतु नए दिशा-निर्देश, हर जिले में टास्क फोर्स और होल्डिंग सेंटर अनिवार्य

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान सरकार के गृह विभाग ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों की पहचान व निष्कासन की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए नवीन दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) आनंद कुमार ने बताया कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों की अनुपालना में सभी जिला कलेक्टरों और मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने जिलों में विशेष टास्क फोर्स का गठन करें और होल्डिंग सेंटर की स्थापना सुनिश्चित करें। इन टास्क फोर्स का कार्य संबंधित जिलों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी एवं म्यांमार (रोहिंग्या) नागरिकों की पहचान कर उन्हें कानून के अनुसार निरूद्ध करना और फिर भारत सरकार के माध्यम से उनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना होगा। कुमार ने बताया कि राज्य में आंतरिक सुरक्षा, जनसंख्या दबाव, एवं सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इससे पहले केंद्र सरकार ने भी राज्यों को इस विषय में सख्त निर्देश दिए थे, जिस पर अमल सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार यह कार्यवाही कर रही है। नए निर्देशों के तहत जिला स्तर पर गठित टास्क फोर्स में पुलिस, खुफिया एजेंसियां, प्रशासनिक अधिकारी और अन्य संबद्ध विभागों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। होल्डिंग सेंटर अस्थायी रूप से इन नागरिकों को रखने के लिए होंगे जब तक कि उनका प्रत्यर्पण नहीं हो जाता। यह कदम राज्य में अवैध घुसपैठ को नियंत्रित करने और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

जन आधार की ई-केवाईसी प्रक्रिया का हुआ सरलीकरण, राज्य सरकार ने दी राहत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान सरकार ने जन आधार योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाते हुए आमजन, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को बड़ी राहत प्रदान की है। अब उन व्यक्तियों को भी सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में परेशानी नहीं होगी जिनके फिंगरप्रिंट या आईरिस काम नहीं करते अथवा जिनके आधार में मोबाइल नंबर दर्ज नहीं है। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सहायक निदेशक डॉ. सुदीप कुमावत ने जानकारी दी कि पहले ऐसे लाभार्थियों की ई-केवाईसी ऑनलाइन नहीं हो पाती थी, जिससे उन्हें योजनाओं के लाभ से वंचित रहना पड़ता था। इस समस्या के समाधान हेतु राज्य सरकार ने ऑफलाइन ई-केवाईसी की व्यवस्था लागू कर दी है। इस संबंध में आयोजना विभाग के शासन सचिव एवं पदेन महानिदेशक, जन आधार प्राधिकरण ने सभी जिला कलक्टरों को पत्र जारी कर आवश्यक निर्देश दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि जिन व्यक्तियों के आधार में बायोमेट्रिक डेटा उपलब्ध नहीं हैं या मोबाइल नंबर लिंक नहीं है, वे अब ऑफलाइन माध्यम से अपनी ई-केवाईसी करवा सकते हैं। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में यह सुविधा ब्लॉक विकास अधिकारियों की एसएसओ आईडी के माध्यम से तथा शहरी क्षेत्रों में उपखंड अधिकारियों की एसएसओ आईडी के माध्यम से उपलब्ध करवाई गई है। यह सुविधा राज्यभर में तुरंत प्रभाव से लागू कर दी गई है। डॉ. कुमावत ने बताया कि इस कदम से विशेष रूप से वृद्ध, दिव्यांग या तकनीकी कठिनाइयों का सामना कर रहे नागरिकों को लाभ मिलेगा, जो लंबे समय से योजनाओं के लिए ई-केवाईसी नहीं करवा पाने के कारण परेशान थे। अब वे भी आसानी से जन आधार से जुड़कर राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे। सरकार के इस फैसले से जनसुविधा को बढ़ावा मिलेगा और लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया अधिक समावेशी व संवेदनशील बनेगी।

बीकानेर में गैस सिलेंडर फटने से हुए हादसे पर राज्यपाल की शोक संवेदना

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बीकानेर में गैस सिलेंडर फटने से हुए हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है।

10 मई को आयोजित होगी द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत, आपसी समझाइश से होगा प्रकरणों का निस्तारण

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2025 की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 10 मई को किया जाएगा। यह लोक अदालत राजस्थान उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ जोधपुर और जयपुर पीठ सहित प्रदेश के समस्त अधीनस्थ न्यायालयों, राजस्व न्यायालयों, उपभोक्ता आयोगों एवं प्रशासनिक अधिकरणों में आयोजित की जाएगी। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर में इसका शुभारंभ न्यायाधीश डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी तथा जयपुर पीठ में न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह के सान्निध्य में प्रातः 10 बजे किया जाएगा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरि ओम अत्रि ने बताया कि प्रकरणों के निस्तारण हेतु प्रदेशभर में 476 बेंचों का गठन किया गया है, जो ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों माध्यमों से सुनवाई करेंगी। अब तक कुल 5,90,890 प्रकरण–जिसमें 3,86,274 प्री-लिटिगेशन और 2,04,616 लंबित प्रकरण शामिल हैं–रैफर किए जा चुके हैं। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर में 5 बेंचों द्वारा 3188 प्रकरण और जयपुर पीठ में 4 बेंचों द्वारा 1237 प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य आपसी समझाइश से मामलों का समाधान कर न्याय प्रक्रिया को सरल, सुलभ और शीघ्र बनाना है। इससे पक्षकारों का समय व संसाधन बचता है तथा सामाजिक सौहार्द भी बना रहता है।

REET-2024 का रिजल्ट जारी, 6 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी पास

जयपुर टाइम्स

अजमेर(निसं.)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने REET-2024 का रिजल्ट घोषित कर दिया। परीक्षा में कुल 6,36,068 परीक्षार्थी पास हुए हैं। लेवल-1 में 62.33%, लेवल-2 में 44.69% और दोनों लेवल में 50.77% अभ्यर्थी क्वालिफाई हुए हैं। लेवल-1 में 1,95,847, लेवल-2 में 3,93,124 और दोनों लेवल में 47,097 अभ्यर्थी सफल रहे। परीक्षा 27 और 28 फरवरी को तीन पारियों में आयोजित हुई थी। लेवल-1 में 3,46,626, लेवल-2 में 9,68,502 और दोनों लेवल में 1,14,696 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। रिजल्ट बोर्ड प्रशासक महेशचंद्र शर्मा और समन्वयक कैलाश चन्द्र शर्मा की उपस्थिति में जारी किया गया। इस दौरान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर वर्चुअली जुड़े। पिछली बार की तुलना में इस बार सफलता प्रतिशत कम रहा है।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

6 हजार रूपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 4 केन्टर सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देषानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में एसएमएस अस्पताल गेट नं. 1 व 2, ट्रोमा सेन्टर, बांगड़, 22 गोदाम, करणी विहार लालरपुरा, नेकी नगर, वैशाली नगर, आइनॉक्स सिनेमा की गली, यादव किराना स्टोर के पास, पोस्ट ऑफिस के पास, नर्सरी पार्क के पास व गाँधीपथ आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण को करने वालों के विरूद्ध 6 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 4 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में एसएमएस अस्पताल गेट नं. 1 व 2, ट्रोमा सेन्टर, बांगड़, 22 गोदाम, करणी विहार लालरपुरा, नेकी नगर, वैशाली नगर, आइनॉक्स सिनेमा की गली, यादव किराना स्टोर के पास, पोस्ट ऑफिस के पास, नर्सरी पार्क के पास व गाँधीपथ आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 4 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व मौके पर अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से

मौके पर 6 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

जल संसाधन विभाग में कनिष्ठ अभियंताओं के 364 पदों पर होगी भर्ती

युवाओं को मिलेगा रोजगार, तकनीकी क्षमता होगी मजबूत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान जल संसाधन विभाग में कनिष्ठ अभियंता के 364 पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस संबंध में विभाग ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड को अर्थना भिजवाई है। इन पदों पर भर्ती से राज्य के युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, वहीं विभाग की तकनीकी कार्यक्षमता भी बढ़ेगी। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के नेतृत्व में विभाग में नवाचार और विकास की दिशा में कई पहलें की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को अधिकाधिक रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस भर्ती के तहत सिविल और मैकेनिकल शाखाओं के डिग्री व डिप्लोमा धारकों को नियुक्त किया जाएगा। गैर अनुसूचित क्षेत्र में कनिष्ठ अभियंता सिविल (डिग्री) के 165, सिविल (डिप्लोमा) के 97, मैकेनिकल (डिग्री) के 4 और मैकेनिकल (डिप्लोमा) के 10 पदों पर भर्ती होगी। वहीं अनुसूचित क्षेत्र में सिविल (डिग्री) के 28 और सिविल (डिप्लोमा) के 60 पदों के लिए अर्थना भेजी गई है। मंत्री रावत ने यह भी बताया कि विभाग में अधिकांश संवर्गों की डीपीसी पूर्ण कर पदोन्नतियां की जा चुकी हैं। अब इन नई भर्तियों से जल परियोजनाओं की गुणवत्ता और विभागीय दक्षता में और अधिक मजबूती आएगी।

जिला मजिस्ट्रेट ने लागू किए विभिन्न प्रतिबंध

बीकानेर(निसं.)। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट नम्रता वृष्णि ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए बीकानेर जिले के संपूर्ण नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न प्रतिबंध लागू किए हैं। इसके अनुसार बिना सक्षम स्वीकृति के किसी भी प्रकार के यूएवी, ड्रोन कैमरा, हॉट एयर बैलून आदि उड़ाने पर प्रतिबंध के लिए निषेधाज्ञा जारी की है। यह निषेधाज्ञा केंद्र सरकार के सैन्य अथवा अर्ध सैनिक बलों और राज्य सरकार के पुलिस विभाग इत्यादि द्वारा सामरिक महत्व की गतिविधियों के संचालन पर लागू नहीं होगी। इसी प्रकार उन्होंने किसी भी प्रकार के पटाखों और आतिशबाजी के क्रय, विक्रय और उपयोग पर प्रतिबंध लगाया है। यह आदेश संपूर्ण बीकानेर जिले के लिए लागू होंगे तथा नागरिकों को इसकी इस आदेश की पालना करने और अवहेलना नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। इस आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत नियमानुसार दंडित करने की कार्यवाही की जाएगी।

संभागीय आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने बुधवार देर रात दस बजे ली बैठक

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। संभागीय आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर की अध्यक्षता तथा महानिरीक्षक पुलिस ओम प्रकाश की उपस्थिति में संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभा कक्ष में बुधवार देर रात 10 बजे आकस्मिक और आपात स्थितियों में चिकित्सा व्यवस्था की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में संभाग के चारों जिलों के जिला कलेक्टर अथवा उनके प्रतिबंधित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, संयुक्त निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं), सरदार पटेल आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य, समस्त क्लिनिकल विभागाध्यक्ष, पीबीएम एवं जिला चिकित्सालय, राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और पं. दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज, चूरू के प्राचार्य तथा चारों जिलों के सीएमएचओ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। संभागीय आयुक्त ने आपात और आकस्मिक स्थितियों में समुचित चिकित्सा व्यवस्था बनाये रखने के संबंध में निर्देश दिए। डॉ. सुरपुर ने कहा कि प्रत्येक सब सेन्टर में गर्भवती महिलाओं, दिव्यांगों, वृद्धजनों आदि की जानकारी जुटाएं और डेटाबेस तैयार करें। आपात स्थिति में प्रत्येक पीएचसी व सीएचसी पर पीड़ितों का प्राथमिक उपचार तुरन्त प्रारंभ किया जाए। बिना प्राथमिक उपचार किसी भी पीड़ित को उच्चतर चिकित्सालय के लिए रैफर नहीं करें। पीएचसी और सीएचसी पर पदस्थापित चिकित्सक रात्रि में मुख्यालय नहीं छोड़ें। ब्लॉक सीएमएचओ को इसकी शत प्रतिशत पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डॉ. सुरपुर ने कहा कि प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पाए आवश्यक दवाइयां, संसाधन और उपकरण पर्याप्त मात्रा में तथा क्रियाशील रहें। स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध एम्बुलेन्स की अविलम्ब जांच कर उनकी क्रियाशीलता सुनिश्चित करने तथा इनमें आवश्यक उपकरणों व औषधियों की उपलब्धता बनाए रखने को कहा। यदि एक एक ही एम्बुलेन्स में एक से अधिक रोगियों का परिवहन किया जाता है और एक से ज्यादा मरीज को ऑक्सीजन की आवश्यकता हो तो उसका भी माकूल प्रबंध किया जाए। इसी प्रकार प्रत्येक आयुर्विज्ञान महाविद्यालय भी अपने एम्बुलेन्स व स्टाफ के संबंध में उपर्युक्तानुसार व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक तथा सभी सीएमएचओ को निर्देश दिए कि उनके द्वारा फर्स्ट एड, लाइफ सेविंग स्किल्स तथा इमरजेंसी रिस्पांस ट्रेनिंग के कैम्प लगाकर पुलिस कान्सटेबल्स, होमगार्ड व सिविल डिफेन्स के स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया जाए। सभी पुलिस थानों एवं कार्यालयों में फर्स्ट ऐड बॉक्स स्थापित करने, पीड़ित व्यक्तियों को एंबुलेंस से परिवहन के दौरान सर्वाधिक आवश्यकता वाले मरीज को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। डॉ. सुरपुर ने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा शुक्रवार को ही ब्लड बैंकों और स्टोरेज का निरीक्षण किया जाए तथा रक्त की उपलब्धता और आवश्यकता का आकलन कर लें। रक्तदान शिविरों का आयोजन कर ब्लड बैंक अथवा स्टोरेज की क्षमता के अनुसार रक्त एकत्रित कर उचित प्रकार से सुरक्षित रखें। प्रत्येक ग्रुप के रक्त की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निजी चिकित्सालयों का भी आवश्यकता अनुसार सहयोग दिया जाए। उन्होंने हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर व चूरू में बर्न वार्ड तैयार करने तथा इन्हें सही तरह से सेनेटाइज व फ्यूमीगेट किए जाने, आवश्यक उपकरण, औषधियां व व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी ऑपरेशन थियेटर्स को पूर्ण स्वच्छ व क्रियाशील रखने तथा रोगियों के नियमित उपचार चालू रखने के निर्देश दिए। डॉ. सुरपुर ने कहा कि प्रत्येक चिकित्सालय परिसर को पूर्ण साफ व स्वच्छ रखें। चिकित्सा संस्थान में पर्याप्त व्हील चेयर व स्ट्रेचरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

उद्यानिकी गतिविधियों की समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के शासन सचिव के निर्देशों की अनुपालना में संयुक्त निदेशक उद्यान डॉ. दया शंकर ने उप निदेशक उद्यान कार्यालय में उद्यानिकी गतिविधियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान संयुक्त निदेशक ने उद्यान विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, प्रधानमंत्री कुसुम सोलर पम्प संयंत्र योजना, पर ड्राप मोर क्रॉप सूक्ष्म सिंचाई योजना आदि में प्रगति अर्जित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उद्यानिकी योजनाओं में पुनः सत्यापन के पश्चात ही नियमानुसार लम्बित देनदारियों का भुगतान समय पर करने को कहा। उन्होंने कहा कि लक्ष्य अनुरूप प्रशासनिक स्वीकृति एवं कार्यादेश जारी कर अधिकाधिक किसानों को उद्यानिकी गतिविधियों से लाभान्वित किया जाए। सहायक निदेशक मुकेश गहलोत ने बताया कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत 149.65 लाख तथा सूक्ष्म सिंचाई योजनान्तर्गत 493.16 लाख बकाया देनदारियों का भुगतान बजट प्राप्त होते ही किसानों को दिया जाना प्रस्तावित है। उप निदेशक उद्यान रेणु वर्मा ने बताया कि जिले को सात हजार सोलर पम्प संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ। इनमें से 6 हजार 218 कार्यादेश जारी किए गए। इनमें से अब तक 2 हजार 473 सोलर पम्प संयंत्र स्थापित किया जा चुके है। बैठक में विजय कुमार बलाई, जोधराज कालीराणा, लक्ष्मण सिंह शेखावत, अनिरुद्ध विश्नोई, पुष्पेन्द्र सिंह, करणी दान चारण, धर्मपाल, ओम प्रकाश गोदारा, शिव भगवान, लीला बिश्नोई सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

राजस्थान में पुलिसकर्मियों की छुट्टियों पर रोक, सीमा पर बढ़ी सतर्कता

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सीमा पर हालात तनावपूर्ण होते ही राजस्थान पुलिस ने प्रदेशभर में सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस मुख्यालय की ओर से सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। अब कोई भी अवकाश केवल विशेष परिस्थितियों में और जिला एसपी, डीसीपी या कमांडेंट की स्वीकृति से ही मिलेगा। अतिरिक्त महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) विशाल बंसल ने गुरुवार को सभी रेंज आईजी, कमिश्नर, एसपी और डीसीपी को निर्देश जारी कर कहा कि वर्तमान हालात को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। आदेश के अनुसार सभी पुलिसकर्मी अपने मुख्यालय पर मौजूद रहें और 24 घंटे ड्यूटी के लिए तैयार रहें। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा की गई एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान की ओर से मिसाइल हमले की कोशिशों को भारत ने नाकाम कर दिया था। इसके बाद से ही सीमावर्ती जिलों में तनाव की स्थिति बनी हुई है। राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है।

जयपुर में विवाहिता से गैंगरेपः सहकर्मियों ने झांसा देकर होटल में किया दुष्कर्म

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) जयपुर के मुरलीपुरा थाना क्षेत्र में एक विवाहिता के साथ गैंगरेप का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला के दो सहकर्मियों ने झूठ बोलकर उसे अपने साथ होटल ले जाकर नशीला प्रसाद खिलाया और बेहोशी की हालत में दुष्कर्म किया। पीड़िता ने मुरलीपुरा थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह विश्वकर्मा इलाके की रहने वाली 28 वर्षीय विवाहित महिला है और दोनों आरोपी उसके सहकर्मी हैं। 17 अप्रैल को जब वह काम पर गई, तो दोनों आरोपियों ने काम का बहाना बनाकर उसे साथ चलने को कहा। रास्ते में चाय पिलाई और फिर एक मंदिर के बहाने नशीला प्रसाद खिलाया। इसके बाद आरोपी उसे रोड नंबर-14 स्थित एक होटल में ले गए, जहां बेहोशी की हालत में दोनों ने गैंगरेप किया। होश आने पर जब पीड़िता ने विरोध किया, तो उसे धमकाया गया। आखिरकार महिला ने हिम्मत जुटाकर पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। मामले की जांच झोटवाड़ा एसीपी सुरेन्द्र सिंह राणावत कर रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। घटना से इलाके में आक्रोश का माहौल है और लोग आरोपियों को सख्त सजा देने की मांग कर रहे हैं।

अजमेर में आपदा प्रबंधन को लेकर मॉक ड्रिल, आधे घंटे का ब्लैकआउट भी रहा प्रभावी

जयपुर टाइम्स

अजमेर(निसं.)। जिला प्रशासन द्वारा आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए मंगलवार को जिले के तीन प्रमुख स्थलों–सराधना स्थित एचपीसीएल डिपो, नसीराबाद के गेल गैस प्लांट और किशनगढ़ एयरपोर्ट–पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इन अभ्यासों में आगजनी, घायलों की सहायता, राहत एवं बचाव कार्य, सूचनाओं के आदान-प्रदान, और सुरक्षा उपायों का प्रभावी प्रदर्शन किया गया। नसीराबाद में आयोजित मॉक ड्रिल में 19 लोगों को रेस्क्यू कर गंभीर घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, एचपीसीएल डिपो और एयरपोर्ट पर भी अग्निशमन, मेडिकल, सिविल डिफेंस और पुलिस विभागों ने समन्वित कार्य किया। समस्त मॉक ड्रिल की मॉनिटरिंग जिला कलक्टर लोक बन्धु, एडीएम गजेन्द्र सिंह राठौड़, और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने की। साथ ही, रात्रि 7.30 से 8.00 बजे तक आधे घंटे का ब्लैकआउट अभ्यास भी किया गया, जिसमें आमजन ने स्वेच्छा से सहभागिता निभाई। इसका उद्देश्य आपदा की स्थिति में दृश्यता कम कर जनहानि रोकना था। जिला कलक्टर ने नागरिकों के सहयोग के लिए आभार जताया। इस संपूर्ण प्रक्रिया में पुलिस, ट्रैफिक, स्वास्थ्य, संचार और प्रशासनिक विभागों की संयुक्त भागीदारी रही।

एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी, ऑपरेशन 'सिंदूर' का जिक्र कर भेजा गया मेल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। राजस्थान क्रीड़ा परिषद को बुधवार सुबह 9.13 बजे एक ईमेल मिला, जिसमें लिखा गया था कि "ऑपरेशन सिंदूर" के सफल होने के बाद अब एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाया जाएगा। ईमेल मिलते ही कर्मचारियों ने तत्काल इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस कंट्रोल रूम एक्टिव हुआ और क्यूआरटी, बम निरोधक दस्ता व अन्य टीमें एसएमएस स्टेडियम पहुंचीं। सुरक्षा के लिहाज से स्टेडियम को खाली करवा लिया गया और आमजन की एंट्री बंद कर दी गई। बम स्क्वॉड ने स्टेडियम और आस-पास के इलाके में गहन सर्च ऑपरेशन चलाया, हालांकि अब तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप, डीसीपी साउथ दिगंत आनंद सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। साइबर सेल को मेल की जांच के निर्देश दिए गए हैं और मेल भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि इससे पहले 3 अप्रैल को जयपुर जिला कलेक्ट्रेट को भी इसी तरह की धमकी मिली थी, जिसमें कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी। पुलिस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुट गई है।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई तक बढ़ाई

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से संचालित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विशेष समूह योजना (पूर्व में विशेष पिछड़ा वर्ग), अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक पिछड़ा वर्ग, विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय, मिरासी एवं भिश्ती समुदाय तथा मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनाओं के आवेदन की तिथि बढ़ाकर 31 मई कर दी गई है। सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एलडी पवार ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 के छात्रवृति के लिए जिले की समस्त शिक्षण संस्थाएं भी 28 मई तक नवीन पंजीयन या पूर्व में पंजीकृत की मान्यता पाठ्यक्रमवार फीस स्ट्रक्चर अद्यतन कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि छात्रवृति आवेदन करने की अन्तिम तिथि पूर्व में 30 अप्रेल थी, जिसे बढ़ाकर 31 मई कर दिया गया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी 31 मई तक एस.एस.ओ. पोर्टल पर स्कॉलरशिप एसजेई एवं अथवा मोबाइल एप एसजेईडी एप्लीकेशन के माध्यम से ऑनलाइन छात्रवृति के लिए आवेदन कर सकते हैं।

अधिकारियों, कर्मचारियों और संविदा कार्मिकों के अवकाश पर लगाई पाबंदी

बीकानेर (निसं.)। जिले में राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपातकालीन स्थिति के मध्यनजर आपदा प्रबंधन अधिनियम 2006 के अध्याय 4 की धारा 30 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जिला कलक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि ने जिले में पदस्थापित जिला और ब्लॉक स्तर के समस्त अधिकारियों कर्मचारियों और संविदा कर्मचारियों के अवकाश पर पाबंदी लगाई है।

स्कूलों में असुरक्षित बच्चे

यह दिल दहला देने वाला कृत्य है कि जयपुर में एक शिक्षक ने दस साल में तकरीबन दो सौ से अधिक बच्चों को अपनी हवस का शिकार बनाया। शिक्षक पर यह भी आरोप है कि वह पीड़ित बच्चों को ब्लैकमेल कर उनसे पैसा भी वसूलता था। स्कूल प्रबंधन की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। जहां उसकी जिम्मेदारी आरोपी शिक्षक के कृत्यों की जानकारी पुलिस को देना था, उसने आरोपी शिक्षक से इस्तीफा लेकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री समझ ली। यह इसलिए भी दुखद है कि जिन शिक्षकों का कर्तव्य बच्चों को सुशिक्षित कर उन्हें योग्य नागरिक बनाना है, वे अपने कुत्सित आचरण से शिक्षा मंदिरों की गरिमा पर कुठारघात कर रहे हैं। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में ऐसे लोग पहुंच गए हैं, जो अपनी फूहड़ता, जड़ता, मूल्यहीनता और लंपट चारित्रिक दुर्बलता से शिक्षा मंदिरों की पवित्रता को कलंकित कर रहे हैं। अभी कुछ दिनों पहले महाराष्ट्र के बुलढाणा के नानजी कोकरे आदिवासी आश्रमशाला में पढ़ने वाली बारह नाबालिग आदिवासी बच्चियां वहां के शिक्षकों और कर्मियों के बलात्कार की शिकार हुईं। बताया गया कि इन पीड़ित बच्चियों में तीन गर्भवती भी थीं और इसका खुलासा तब हुआ जब वे दिवाली की छुट्टियों में घर गईं और पेट में दर्द होने पर उनके अभिभावकों ने उन्हें चिकित्सकों से दिखाया। अच्छी बात यह रही कि पुलिस ने इन बलात्कार के आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया और राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआइटी का गठन कर दिया। मगर यहां सवाल है कि देश के विभिन्न राज्यों के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राओं के साथ हो रहे अमानवीय दुष्कृत्यों पर लगाम कैसे लगे? कैसे भरोसा किया जाए कि भविष्य में ऐसी घटनाएं फिर देश-समाज को शर्मसार नहीं करेंगी?

ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता, जब स्कूलों में बच्चों के साथ अमानवीयता की खबरें अखबारों की सुर्खियां न बनती हैं। कहीं उनके साथ यौन शोषण होता है तो कहीं अनुशासन के नाम पर प्रताड़ना दी जाती है। पिछले साल दिल्ली के एक प्रतिष्ठित स्कूल में एक छात्र के साथ अमानवीय कृत्य कर उसे सेप्टिक टैंक में फेंक दिया गया। दो वर्ष पहले बंगलुरु में एक दसवीं की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार का मामला उजागर हुआ। कुछ साल पहले इलाहाबाद के राजकीय बालगृह में मासूम बच्चियों के साथ बलात्कार हुआ। इस दुष्कृत्य में वहां नियुक्त कर्मियों की ही संलिप्तता पाई गई। पिछले साल मथुरा में एक शिक्षक द्वारा अपनी शिष्या को डरा-धमका कर कई दिनों तक दुराचार किया गया। ओड़ीशा के भुवनेश्वर में एक शिक्षक दस साल की बच्ची के साथ ज्यादती करते रंगे हाथ पकड़ा गया। एक स्कूल में एक नेत्रहीन बच्चे को एक शिक्षक द्वारा जल्लादों की तरह पीटा गया। सवाल है कि आखिर शिक्षा के मंदिरों में बच्चों के साथ अमानवीय, अमर्यादित और घिनौना व्यवहार कब तक चलेगा? शिक्षा के मंदिर अपनी सकारात्मक भूमिका के प्रति कब सतर्क और संवेदनशील होंगे? क्या ऐसी घटनाएं रेखांकित नहीं करतीं कि हमारे शिक्षा मंदिर बुरी तरह दूषित और संवेदनहीन होते जा रहे हैं? क्या यह रेखांकित नहीं करता है कि स्कूल प्रबंधन शिक्षकों की नियुक्ति में उनके आचरण की जांच-परख नहीं कर रहा है? संभवत इन्हीं सब कारणों का नतीजा है कि आज शिक्षा मंदिरों से शर्मसार करने वाली घटनाएं समाज को विचलित कर रही हैं। त्रासदी है कि आज के दौर में विद्यालय न तो मंदिर की तरह पवित्र रह गया और न ही गुरु का आचरण आदर्श और प्रेरणा देने लायक।

स्कूल और शिक्षक दोनों गुरु-शिष्य रिश्ते के पारंपरिक संस्कारों को तोड़ कर शिक्षा के मूल्य-प्रतिमानों को आघात पहुंचा रहे हैं। गुरु और शिष्य का पवित्र संवेदनात्मक रिश्ता जो कभी पिता-पुत्र और पिता-पुत्री के तौर पर परिभाषित होता था, वह आज शिक्षा मंदिरों में कलंकित हो रहा है। हालात इस कदर बदतर हो गए हैं कि शिक्षा के मंदिर जहां चरित्र को गढ़ा-बुना जाता है, उदात्त भावनाओं को पंख दिया जाता है, वह आज खुद चरित्र के गहरे संकट से जूझ रहे हैं। पिछले साल महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया कि देश में हर चौथा स्कूली बच्चा यौन शोषण का शिकार हो रहा है। हर ढाई घंटे के दरम्यान एक स्कूली बच्ची को हवस का शिकार बनाया जा रहा है। यूनिसेफ की रिपोर्ट से भी उद्घाटित हो चुका है कि पैंसठ फीसद बच्चे स्कूलों में यौन शोषण के शिकार हो रहे हैं। इनमें बारह वर्ष से कम उम्र के लगभग 41.17 फीसद, तेरह से चौदह साल के 25.73 फीसद और पंद्रह से अठारह साल के 33.10 फीसद बच्चे शामिल हैं। यह सच्चाई हमारी शिक्षा व्यवस्था की बुनियाद को हिला देने वाली है। रिपोर्ट पर विश्वास करें तो स्कूलों में बच्चों को जबरन अंग दिखाने के लिए बाध्य किया जाता है। उनके नग्न चित्र लिए जाते हैं। दूषित मनोवृत्ति वाले शिक्षकों द्वारा बच्चों को अश्लील सामग्री दिखाई जाती है। एक दौर था जब गुरुजनों द्वारा बच्चों में राष्ट्रीय संस्कार विकसित करने के लिए राष्ट्रीय महापुरुषों और नायकों के साथ अमर बलिदानियों के किस्से सुनाए जाते थे। इन कहानियों से बच्चों में समाज और राष्ट्र के प्रति निष्ठा और समर्पण का भाव विकसित होता था। लेकिन आज बच्चों में आदर्श भावना का संचार करने वाले खुद आदर्शहीन दिखने लगे हैं।

शिक्षा मंदिरों में अराजक वातावरण के कारण बच्चे स्कूल जाने से कतराने लगे हैं। उनके मन में खौफ पसर रहा है। सवाल है कि ऐसे विकृत माहौल को जन्म देने के लिए कौन लोग जिम्मेदार हैं? सिर्फ शिक्षक या समाज और संपूर्ण शिक्षा प्रणाली भी? आश्रमशालाओं के छात्रावास सुरक्षित क्यों नहीं रह गए हैं? प्रशासन उसकी सुरक्षा को लेकर गंभीर क्यों नहीं है? सवाल यह भी कि अगर शिक्षा मंदिरों का माहौल इसी तरह अराजक बना रहा तो फिर बच्चों में नैतिकता और संस्कार कैसे पैदा होगा? जब शिक्षा देने वाले ही अनैतिक आचरण का प्रदर्शन करेंगे तो राष्ट्र की थाती बच्चों का चरित्र निर्माण कैसे होगा? पिछले साल राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बच्चों के शोषण पर गहरी चिंता जताई थी। आयोग ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के निमित्त सरकार द्वारा सकारात्मक कोशिश नहीं की जा रही है। एमनेस्टी इंटरनेशनल इंडिया की रिपोर्ट में भी आशंका जताई जा चुकी है कि शिक्षण संस्थाओं में बढ़ रहा यौन शोषण समाज को विखंडित कर सकता है। उसकी रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में 68.88 फीसद मामले छात्र-छात्राओं के शोषण से जुड़े हैं। समझा जा सकता है कि जब देश की राजधानी में बच्चों के साथ इस तरह का आचरण हो सकता है, तो फिर दूरदराज क्षेत्रों में बच्चों के साथ क्या होता होगा, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। स्कूलों में समुचित वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से गत वर्ष राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीइ) ने शिक्षकों के लिए मानक आचार संहिता पेश की। उद्देश्य था- छात्रों को मानसिक और भावनात्मक संरक्षण प्रदान करना। लेकिन जिस तरह शिक्षा के केंद्रों में बच्चों के शारीरिक शोषण की घटनाएं बढ़ रही हैं और शिक्षकों का आचरण घिनौना होता जा रहा है, उससे शिक्षा के सार्थक उद्देश्यों पर ग्रहण लगना तय है।

ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता, जब स्कूलों में बच्चों के साथ अमानवीयता की खबरें अखबारों की सुर्खियां न बनती हैं। कहीं उनके साथ यौन शोषण होता है तो कहीं अनुशासन के नाम पर प्रताड़ना दी जाती है। पिछले साल दिल्ली के एक प्रतिष्ठित स्कूल में एक छात्र के साथ अमानवीय कृत्य कर उसे सेप्टिक टैंक में फेंक दिया गया। दो वर्ष पहले बंगलुरु में एक दसवीं की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार का मामला उजागर हुआ। कुछ साल पहले इलाहाबाद के राजकीय बालगृह में मासूम बच्चियों के साथ बलात्कार हुआ। इस दुष्कृत्य में वहां नियुक्त कर्मियों की ही संलिप्तता पाई गई। पिछले साल मथुरा में एक शिक्षक द्वारा अपनी शिष्या को डरा-धमका कर कई दिनों तक दुराचार किया गया। ओड़ीशा के भुवनेश्वर में एक शिक्षक दस साल की बच्ची के साथ ज्यादती करते रंगे हाथ पकड़ा गया। एक स्कूल में एक नेत्रहीन बच्चे को एक शिक्षक द्वारा जल्लादों की तरह पीटा गया।

सम्पादकीय

निर्णायक! सेना ने किया रणनीतिक क्षमता का कुशल प्रदर्शन

आपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले करके भारतीय सेना ने न केवल पहलगाम हमले का कड़ा जवाब दिया, बल्कि दुनिया के सामने अपनी रणनीतिक क्षमता का कुशल प्रदर्शन भी कर दिया है। इस हमले के बाद भारत सरकार को कूटनीतिक कामयाबी भी मिलती दिखने लगी है। इस अभियान की रणनीति तीनों सेनाओं ने मिल कर बनाई थी। हालांकि पाकिस्तान शुरू से शोर मचा रहा था कि भारत कभी भी उस पर हमला कर सकता है और इसके मद्देनजर उसने अपनी सामरिक तैयारियां तेज कर दी थी। मगर भारतीय सेना ने इतनी कुशलता से हवाई हमले किए और इतने सटीक निशाने साधे कि उसे समझने का मौका भी नहीं मिल पाया। यह सेना और सरकार की बड़ी सूझबूझ है कि पाकिस्तान के किसी नागरिक, सैन्य और आर्थिक ठिकाने पर निशाना लगाने के बजाय सिर्फ आतंकी ठिकानों को लक्ष्य कर ध्वस्त किया गया। इस तरह दुनिया में किसी को इसके विरोध में कुछ कहने का मौका नहीं रह गया है। चीन तक समझ नहीं पा रहा कि भारत के इस कदम को कैसे गलत ठहराया जाए। हमले के तुरंत बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात आदि देशों के अपने समकक्षों को फोन कर हमले की जानकारी दी। इस तरह पाकिस्तान की कूटनीतिक घेराबंदी भी कर दी गई है। आपरेशन सिंदूर के तहत मुख्य रूप से पाकिस्तान में जैश-ए-मोहम्मद, हिज्बुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालयों तथा आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर हमले किए गए। उसके प्रमाण भी दुनिया के सामने पेश किए जा चुके हैं। माना जा रहा है कि इस हमले में इन आतंकी संगठनों से जुड़े काफी लोगों की जान गई है। भारतीय सेना ने वहां के जिन नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किए, उनमें से चार पाक अधिकृत कश्मीर में और बाकी उसके पंजाब प्रांत में स्थित थे। शायद पाकिस्तानी सेना को अंदाजा नहीं था कि भारतीय सेना पंजाब प्रांत के भीतर भी हमला कर सकती है। उसने इस हमले की प्रतिक्रिया में भारत की सीमा पर कुछ नागरिक ठिकानों पर हमले किए हैं, पर उससे उसकी बौखलाहट ही जाहिर होती है। वह कुछ दिन पहले तक नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए गोलीबारी कर भारतीय सेना को ललकार और अपनी परमाणु ताकत का धौंस दे रही थी, अब उसे समझ नहीं आ रहा कि कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। दरअसल, उसे लग रहा था कि चीन का समर्थन मिलेगा और भारत उसके भय से दब जाएगा। मगर अब आतंकवाद के खिलाफ हमले पर चीन कैसे पाकिस्तान का समर्थन करेगा, देखने की बात होगी। इस हमले के बाद उचित ही भारतीय सेना की देश भर में सराहना हो रही है। विपक्षी दलों ने भी एक बार फिर सरकार के साथ अपनी एकजुटता जताई और सेना के कौशल की तारीफ की है। हालांकि अमेरिका जैसे कुछ देशों ने कहा है कि यह तनाव जितना जल्दी खत्म हो, उतना ठीक होगा। पर भारतीय जनभावना है कि पाकिस्तान में पल रहे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ उठाया गया यह कदम निर्णायक होना चाहिए। सरकार भी इस भावना को गंभीरता से समझती है।

साइबर जोखिम

ई सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2019 में भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम द्वारा चिह्नित किए गए साइबर हमलों की संख्या चार लाख से नीचे थी, लेकिन इस वर्ष जून तक ही 6,74,021 घटनाएं दर्ज की गईं। साइबर सुरक्षित राष्ट्र के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत सरकार को एक मजबूत रणनीति बन बनानी होगी जो सरकारी प्रणालियों, नागरिकों और व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा करे। यह न केवल नागरिकों को साइबर खतरों से बचाने में मदद करेगा, बल्कि अर्थव्यवस्था में निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाएगा। हाल ही में देश के महत्त्वपूर्ण प्रतिष्ठान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली में साइबर हमला हुआ। यह एजेंसियों द्वारा सुलझा भी नहीं था कि फिर साइबर हमलावरों ने सरकारी जलशक्ति मंत्रालय के ट्विटर अकाउंट को आंशिक रूप से हैक कर लिया। देश के सरकारी वेबसाइटों पर यह दूसरा साइबर हमला था। साइबर अपराधों में बेतहाशा वृद्धि को देखते हुए उपभोक्ताओं को डिजिटल दुनिया में अधिक जागरूक रहना होगा। डिजिटल उपभोक्ताओं को यह समझने की जरूरत है कि हम एक बड़ी साइबर श्रृंखला से जुड़े हुए हैं। उनको अपने यंत्र, कंप्यूटर और लैपटाप को सुरक्षित बनाए रखने के लिए उचित फायरवाल, एंटीवायरस और सुरक्षा मानकों को अपनाना चाहिए। कोई जानकारी आनलाइन साझा करने के दौरान लापरवाही नहीं करनी चाहिए। किसी तीसरे पक्ष द्वारा दिए लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए। देश को अधिक साइबर सुरक्षित बनाने के लिए हमें अपने स्तर पर सहयोग देने की आवश्यकता है। आंकड़े बताते हैं कि कैसे कतर के जिस दिन से 2022 का फुटबाल विश्वकप की मेजबानी करने का घोषणा हुई, उसी समय से वहां प्रवासी मजदूरों के साथ घोर अत्यचार का दौर भी शुरू हो गया। मजदूरों को प्रताड़ित किया जाना, उन्हें अमानवीय परिस्थितियों में रखा जाना, उनका वेतन भुगतान समय पर नहीं किया जाना, पासपोर्ट जब्त कर लेने से लेकर बारह से लेकर अठारह घंटों तक काम कराना। पुष्ट खबरों के अनुसार भारत, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका के आंकड़ों से पता चला है कि 2011-2020 की अवधि में 5,927 प्रवासी श्रमिकों की मौत हो हुई। अलग से कतर में पाकिस्तान के दूतावास के आंकड़ों ने 2010 और 2020 के बीच 824 पाकिस्तानी श्रमिकों की मौतों की पुष्टि की है। कतर की हुकूमत इन मृतकों के परिवारजनों से सहानुभूति जताने के स्थान पर आज भी उनका उपहास उड़ा रही है। इससे दुनिया भर के मानवाधिकार संगठों एवं कार्यकर्ताओं में रोष फैल गया है। क्या अब भी फीफा को यही लग रहा है कि कतर को मेजबानी देना एक सही फैसला था?

आतंक का अंत!

मध्य पूर्व में धर्म के नाम पर बर्बरता फैलाने वालों को प्रश्रय देने का भारत के एक छोटे से इलाके पर क्या असर होता है? बगदादी के मारे जाने की खबरें पहले चाहे जितनी बार झूठी साबित हो गई हों लेकिन धर्म के नाम पर फैलाए गए खौफ के साम्राज्य का सच हम सबके सामने है। उन वीडियो का सच हमारे सामने है जिनमें जेहाद के नाम पर लोगों का अपहरण कर कैमरे के सामने गला रेत कर मार दिया गया। हिंदुस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान से लेकर यूरोपीय देश और अमेरिका तक इसके शिकार हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने आधिकारिक घोषणा की कि इस्लामिक स्टेट का सरगना बगदादी मारा गया। डोनाल्ड ट्रंप के दावे की बात करें तो जिस आतंकवादी को कुत्ते की मौत मारने के लिए एक कुत्ता ही काफी था वह पूरी दुनिया में लोगों का जानवरों की तरह शिकार क्यों कर रहा था? ईरान के सूचना व प्रसारण मंत्री मोहम्मद जावेद का कहना है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने ही सृजन को सहजता से खत्म कर दिया है। अल-कायदा सरगना उसामा बिन लादेन हो या बगदादी, ये उन्हीं साम्राज्यवादी ताकतों द्वारा खड़े किए गए जिनके लिए ये ही बाद में भस्मासुर बन गए। जिस जमीन पर सभ्यता और संस्कृति फली-फूली अब वहां धर्म के नाम पर बर्बरता के आका पैदा कर दिए गए हैं। राजनीतिक और आर्थिक ताकतें ही अपने स्वार्थ के लिए इन्हें खड़ा करती हैं। फिलहाल आतंक के एक चेहरे के अंत पर बेबाक बोल।

बगदादी को पहले ही और बहुत बेरहमी से मारा जाना चाहिए था। मैं बहुत खुश हूं। मेरे पति को 38 अन्य लोगों के साथ मारा गया था और इसके पीछे आइएस का हाथ था। मुझे इस बात की खुशी है कि आतंकवादियों का शिविर पूरी दुनिया में ध्वस्त किया जा रहा है। इससे भविष्य में कई लोगों की जान बचेगी'। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले की दो महिलाओं की जिंदगी में अमेरिकी फौज की कार्रवाई का क्या असर होता है ये उद्धरण यही बताता है। मध्य पूर्व में धर्म के नाम पर बर्बरता फैलाने वालों को प्रश्रय देने का भारत के एक छोटे से इलाके पर क्या असर होता है? बगदादी के मारे जाने की खबरें पहले चाहे जितनी बार झूठी साबित हो गई हों लेकिन धर्म के नाम पर फैलाए गए खौफ के साम्राज्य का सच हम सबके सामने है। उन वीडियो का सच हमारे सामने है जिनमें जेहाद के नाम पर लोगों का अपहरण कर कैमरे के सामने गला रेत कर मार दिया गया। हिंदुस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान से लेकर यूरोपीय देश और अमेरिका तक इसके शिकार हैं। आतंकवादियों के आका के मारे जाने की इस बार आधिकारिक रूप से पुष्टि हुई है। अमेरिका का दावा है कि उसके डीएनए विशेषज्ञों ने पुख्ता सबूत दिए कि मारा गया आतंकवादी बगदादी ही था।

इसके पहले अमेरिकी फौज की ही कार्रवाई में पाकिस्तान के ऐबटाबाद में अल-कायदा का सरगना उसामा बिन लादेन मारा गया था। अमेरिका पर आरोप है कि तालिबान में पैदा हुए अल-कायदा नाम के आतंकवादी संगठन को उसने ही अपने स्वार्थों के तहत खड़ा किया था। अमेरिका के होश तब उड़े थे जब अल-कायदा ने उसके घर में हमला किया और उसकी सर्वशक्तिमान सत्ता को चुनौती दी। अमेरिका में जुड़वां मीनार का गिरना और उसमें तीन हजार लोगों का मरना वह मोड़ था जब अमेरिका ने इस संगठन के खात्मे के लिए सोचा। बराक ओबामा को पता था कि बिना आतंकवाद पर मजबूत वार किए अमेरिकी जनता को भरोसे में नहीं लिया जा सकता। इसमें कोई शक नहीं कि उसामा बिन लादेन की मौत के बाद अल कायदा का नेटवर्क बहुत कमजोर पड़ा और ओबामा की छवि चमकी। ऐबटाबाद में उसामा बिन लादेन की मौत के बाद उसका एक वीडियो जारी हुआ था, जिसमें वो अपने खौफ के संदेशों का वीडियो बनवा रहा था। वीडियो में दिखता है कि वह धमकी भरे संवादों को बोलने के लिए कितना अभ्यास करता है, कहीं हिचकता है तो कहीं अटकता है। उस वीडियो से अंदाजा लगाया जा सकता है कि कैसे कोई साधारण सा आदमी असाधारण होने का दिखावा कर अपना खौफ कायम करता है। जेहाद के यलगार के पीछे कई बीवियों और बच्चों के बीच एक आम आदमी की सी छवि। सत्ता और समाज का स्वार्थ ही ऐसे हत्यारे पैदा करते हैं जो बाद में सत्ता और समाज के लिए ही सबसे बड़ा खतरा बन जाते हैं।

उत्तर पश्चिमी सीरिया में इस्लामिक स्टेट के नेता अबु बकर अल बगदादी के अंत के बारे में अमेरिकी राष्टःपति डोनाल्ड ट्रंप दावा करते हैं-हमारे कुत्ते उसे खदेड़ रहे थे। सुरंग के आखिरी छोर पर वो गिर गया और तीन बच्चों के साथ अपने कमर में बंधे बम से खुद को उड़ा लिया। बगदादी गिड़गिड़ाते हुए रो रहा था। दुनिया के नंबर वन आतंकवादी की मौत।

उसामा से लेकर बगदादी तक, आतंक के चेहरों का ऐसा ही अंत होता है। अमेरिका ने बताया कि बगदादी को मारने में उसका एक कुत्ता जख्मी हो गया।

सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार आमिर खान की 'सितारे जमीन पर'

अभिनेता आमिर खान की अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। ताजा जानकारी के साथ आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर स्टारकास्ट के साथ ही बताया कि फिल्म सिनेमाघरों में कब दस्तक देगी। प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर कैप्शन में लिखा, प्यार और खुशी का जश्न मनाती एक फिल्म 'सितारे जमीन पर' 20 जून को सिनेमाघरों में आ रही है। 'सितारे जमीन पर' के फर्स्ट पोस्टर में आमिर खान के साथ दस और सितारे नजर आए। इन नए चेहरों के नाम सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, गोपी कृष्ण वर्मा, अरूष दत्ता, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभ जैन, सिमरन मंगेशकर और नमन मिश्रा हैं। बता दें, अपकमिंग फिल्म के साथ आमिर खान लंबे समय के बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं।

ठग लाइफ से सामने आया तृषा कृष्णन का लुक, एक्ट्रेस के 42वें जन्मदिन पर फैंस को मिला बड़ा सरप्राइज

साउथ अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने 04 मई को अपना जन्मदिन मनाया। इस मौके पर पहले विश्वम्भरा के निर्माताओं ने फिल्म से तृषा का शानदार लुक शेयर किया। विश्वम्भरा के बाद अब तृषा की फिल्म ठग लाइफ से उनका एक लाजवाब लुक सामने आया है।

टर्मरिक मीडिया ने आज कुछ ही देर पहले तृषा कृष्णन की आगामी फिल्म ठग लाइफ से उनका एक शानदार लुक शेयर किया है। फिल्म के इस लुक में तृषा कुछ सोचती नजर आ रही हैं। व्हाइट शर्ट के साथ रेड स्कर्ट में तृषा सिंपल और खूबसूरत नजर आ रही हैं। वह सीढ़ी पर बैठी किसी गहन विचार में लीन नजर आ रही हैं और इस लुक के साथ पोस्टर पर लिखा है- हैप्पी बर्थ डे तृषा। इस तस्वीर में तृषा के पीछे खुला आसमान दिखाई दे रहा है।

टर्मरिक मीडिया ने कुछ ही देर पहले इंस्टाग्राम पर तृषा का ठग लाइफ से एक लुक शेयर किया है, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ठगों की दुनिया से दिलों की रानी तक - जन्मदिन मुबारक तृषा कृष्णन, हैप्पी बर्थडे तृषा, ठगलाइफ, ठग लाइफ फ्रॉम, जून5 कमल हासन। फिल्म का निर्माण मणिरत्नम करेंगे और इस फिल्म का संगीत ए आर रहमान तैयार करेंगे।

ठग लाइफ में कमल हासन और तृषा कृष्णन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। मणिरत्नम और एआर रहमान की जोड़ी ठग लाइफ फिल्म में एक साथ काम कर रही है। ठग लाइफ 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह गैंग्स्टर एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन मणिरत्नम कर रहे हैं। इस फिल्म को कमल हासन और मणिरत्नम ने मिलकर लिखा है। फिल्म में कमल हासन और तृषा के अलावा सिलाम्बरासन, अशोक सेलवन, नस्सर, अली फजल, पंकज त्रिपाठी सान्या मल्होत्रा और ऐश्वर्या लक्ष्मी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

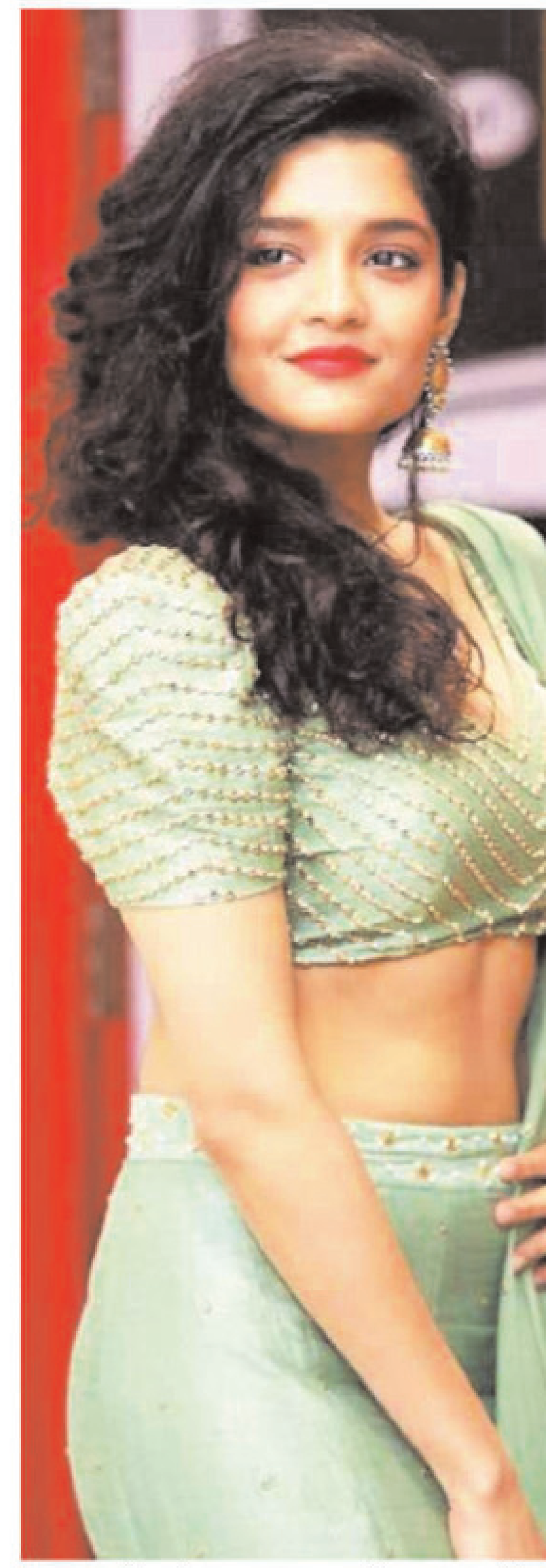

घुटनों में असहनीय दर्द के बाद भी नहीं मानी हार

साउथ इंडस्ट्री और हिंदी फिल्मों में अपने मजबूत किरदारों से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस रितिका सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी फैट-टू-फिट जर्नी दिखा रही हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने घुटनों की चोट के बावजूद वजन घटाया और फिर से पुरानी फिगर हासिल की। रितिका सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसकी शुरुआत में उन्होंने बताया कि उनका वजन बढ़ गया था और वह 72 किलो तक पहुंच गई थीं। इसके बाद वीडियो में उन्होंने दिखाया कि कैसे उन्होंने वर्कआउट करके, मेहनत और लगन से अपना वजन घटाया और फिर से फिट शेप में वापस लौट आईं। वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, पिछले तीन महीने मेरे लिए बेहद बदलाव भरे रहे। सिर्फ इसलिए नहीं कि मेरा वजन बहुत बढ़ गया था, बल्कि इसलिए भी कि मेरे घुटनों की पुरानी चोटें और दर्द देने लगी थीं। दर्द इतना ज्यादा था कि मैं ठीक से चल भी नहीं पा रही थी, किक मारना या डांस करना भी मुश्किल हो गया था। तभी मैंने आईने में खुद को देखा और खुद से कहा कि बस बहुत हो गया, अब खुद को पूरी तरह बदलने का वक्त आ गया है। इस दौरान सामने आई चुनौतियों के बारे में बताते हुए उन्होंने आगे लिखा, मैंने अपनी लाइफस्टाइल में कई बड़े बदलाव किए, जैसे डाइट, एक्सरसाइज, और रूटीन में सुधार किया... लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ा बदलाव कुछ छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना था, जो अक्सर छोटी और बेकार लगती हैं, लेकिन असल में सबसे ज्यादा असर उन्हीं चीजों ने डाला। उदाहरण के तौर पर ऐसी चीजें हो सकती हैं. एक्ट्रेस ने पोस्ट के आखिर में कहा, मैं इस बारे में और बात करना चाहूंगी, क्योंकि मुझे सच में लगता है कि ये कई लोगों की मदद कर सकता है, ताकि वे न सिर्फ बेहतर दिखें, बल्कि सबसे जरूरी बात बेहतर महसूस भी करें। वर्कफ्रंट की बात करें तो रितिका हाल ही में सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म वेट्टैयन में नजर आईं। इस फिल्म में उन्होंने एएसपी रूपा किरण का रोल निभाया। इस किरदार में वे रजनीकांत के साथ काम करती हैं, यानी उनकी टीम का हिस्सा हैं।

सहजता के साथ हर किरदार में फिट बैठ जाते थे इरफान, पीकू में दिखा असली रूप: शूजित सरकार

'पीकू', 'गुलाबो सिताबो', 'मद्रास कैफे' जैसी फिल्मों का निर्माण करने वाले निर्माता-निर्देशक शूजित सरकार का मानना है कि पीकू में दिवंगत अभिनेता इरफान खान ने कमाल का अभिनय किया था। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि 'पीकू' में इरफान का रोमांटिक अंदाज सामने आया, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था। शूजित ने बताया कि इरफान सहजता के साथ हर किरदार में फिट बैठ जाते थे। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता शूजित सरकार ने कहा कि उन्होंने इरफान खान को पहले कभी उस तरह नहीं देखा जैसा कि वह पीकू में निखर कर आए। उन्होंने कहा कि फिल्म में दिवंगत अभिनेता के अभिनय ने स्टार के उस पक्ष को दिखाया, जिसे वह पहले कभी नहीं देख पाए थे। जब शूजित से पूछा गया कि इरफान ने अपनी भूमिका में कॉमेडी और इमोशंस को कैसे बैलेंस किया, तो शूजित ने बताया, इरफान खान सहज अभिनेता थे। वह ताजगी और एनर्जी के साथ सेट पर आते थे। पीकू में वह गजब के आकर्षक लगे। मैंने जितनी भी फिल्में देखी हैं, उनमें से किसी में भी वह ऐसे नहीं दिखे थे। शूजित ने आगे कहा, पीकू में उनकी हर चीज शानदार है। वह ऐसा मौका ही नहीं देते कि आप 'राणा' से प्यार न करें। इस फिल्म में असली इरफान सामने आया। रोमांटिक इरफान।

'पीकू' 9 मई को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने वाली है।

कॉमेडी ड्रामा में अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और इरफान खान के साथ मौसमी चटर्जी, जीशु सेनगुप्ता और रघुबीर यादव भी अहम भूमिकाओं में हैं। 8 मई को पीकू रिलीज के 10 साल पूरे करने जा रही है। शूजित ने 2005 में रोमांटिक वॉर ड्रामा यहां से निर्देशन की शुरुआत की थी। उन्होंने 2012 में फिल्म विकी डोनर से सुर्खियां बटोरीं। इसके एक साल बाद उन्होंने मद्रास कैफे बनाई। उनकी होम प्रोडक्शन, लीगल थ्रिलर पिंक ने अक्टूबर और अमेजन प्राइम वीडियो की कॉमेडी गुलाबो सिताबो का निर्देशन और निर्माण किया। सरकार ने 2021 में सरदार उधम बनाई थी, जिसे लेकर उनकी खूब तारीफ हुई।

मैं कॉफी शॉप भी साड़ी पहनकर जाती हूं, ये मेरा पसंदीदा परिधान: लक्ष्मी मांचू

भारतीय अभिनेत्री, फिल्म निर्माता और साउथ के साथ ही अमेरिकी टेलीविजन में काम कर चुकीं लक्ष्मी मांचू ने बताया कि उन्हें साड़ी से खास लगाव है। यह उनका पसंदीदा परिधान है। साड़ी के प्रति अपने प्रेम का इजहार करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वह ऐसी महिला हैं, जो कॉफी शॉप में भी साड़ी पहनकर जाती है। लक्ष्मी मांचू 'मेक इन इंडिया' के तहत एक इवेंट में शामिल हुईं, जिसमें कांचीपुरम, कोटा साड़ियों के अलावा देश के अन्य हिस्सों के कपड़े देखने को मिले। लक्ष्मी ने कहा, मुंबई में असली जरी नहीं मिलती है। मैंने मास्टर कारीगरों से मिलकर असली जरी खरीदी और उनसे अपनी खास साड़ी तैयार कराई। मैंने कलमकारी डिजाइन भी हाथ से बनाए, जिसके बारे में बुनकरों ने खुद कहा कि उन्होंने यह पहले कभी नहीं देखा था। लक्ष्मी ने बताया कि साड़ियां सबसे सुंदर परिधानों में से एक हैं, जो भारतीय परंपराओं और संस्कृति के सार को दिखाती हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसी महिला हूं जो मुंबई में कॉफी शॉप में भी साड़ी पहनकर जाती है, क्योंकि मेरे लिए यह सबसे सुंदर और पसंदीदा परिधान है। मेरा मानना है कि हमें अपने पहनावे के माध्यम से अपनी परंपराओं और संस्कृति को दुनिया के सामने लाना चाहिए। साड़ी दुनिया भर में पसंद की जाती है। लक्ष्मी मांचू मशहूर अभिनेता मोहन बाबू की बेटी हैं। उन्होंने अमेरिकी टेलीविजन सीरीज 'लास वेगास' से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने जेम्स लेसुरे की प्रेमिका की भूमिका निभाई थी। इसके बाद अभिनेत्री 'लेट नाइट्स विद माई लवर' और 'मिस्ट्री ईआर', यक्षिणी जैसी सीरीज में भी काम कर चुकी हैं।

'फूलमती' बनीं नीना गुप्ता, तस्वीर शेयर कर फैंस को दिखाई झलक

बधाई हो, पंचायत जैसे मनोरंजन से भरपूर फिल्म और वेब सीरीज में काम कर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाली अभिनेत्री नीना गुप्ता सोशल मीडिया पर फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। इसी कड़ी में नीना ने आइवरी कलर की साड़ी में लेटेस्ट तस्वीर शेयर की। खूबसूरत तस्वीर के साथ किसी चीज ने ध्यान खींचा तो वो है उनका खुद को दिया नाम! इंस्टाग्राम पर अपनी खूबसूरत तस्वीर को शेयर करते हुए नीना ने कैप्शन में लिखा, फूलमती। आइवरी कलर की साड़ी के साथ वह गोल्डन ज्वेलरी में बेहद प्यारी लगीं, जिसे देखकर उनके फॉलोअर्स तारीफ करने से खुद को रोक नहीं सके। एक यूजर ने लिखा, खूबसूरत। दूसरे ने तारीफ करते हुए लिखा, आप खूबसूरत के साथ स्टाइलिश भी हैं। तीसरे यूजर ने लिखा, आप स्टनिंग हैं। इससे पहले भी नीना अपने पति विवेक मेहता की बर्थडे पार्टी में यही साड़ी पहने दिखी थीं। काम की बात करें तो नीना गुप्ता हाल ही में फिल्म आचारी बा में नजर आईं, जिसमें उन्होंने एक उद्यमी की भूमिका निभाई है। हार्दिक गज्जर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नीना का किरदार एक मां और दादी का है, जो परिवार में अनदेखी का शिकार है।

खलनायक बन दहशत फैलाएंगे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार और सैफ अली खान 17 साल बाद मलयालम हिट ओप्पम के हिंदी रीमेक में साथ नजर आएंगे। वहीं अब फिल्म में दोनों के किरदारों के बारे में जानकारी सामने आई है। बॉलीवुड के दो दिग्गज सितारे, अक्षय कुमार और सैफ अली खान 17 साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। खबर है कि दोनों 2016 की सुपरहिट मलयालम फिल्म ओप्पम के हिंदी रीमेक में काम करेंगे, जिसमें मूल रूप से मोहनलाल ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म को लेकर ताजा अपडेट्स ने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, इस बार अक्षय कुमार एक खतरनाक विलेन की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि सैफ अली खान लीड रोल में होंगे। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

जादू की झप्पी

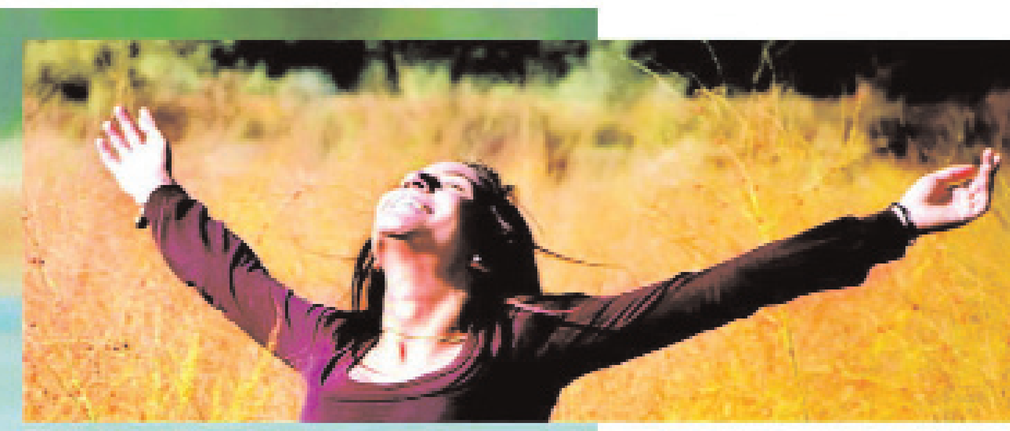

आलिंगन सिर्फ अंतरंगता के लिए ही नहीं होता है, बल्कि इससे भी बहुत ज्यादा होता है। आलिंगन प्यार जताने का एक बेहतरीन तरीका तो है ही साथ ही इसके स्वास्थ्यगत फायदे भी हैं। इससे स्मरण शक्ति बढ़ती है और तनाव कम होता है। वैज्ञानिकों को पता चला है कि जब आप किसी को गले लगाते हैं, तो इससे रक्त में एक हार्मोन ऑक्सीटोसिन का स्राव होता है। इससे उच्च रक्तचाप में कमी आती है, तनाव और बेचैनी कम होती है और इससे आपकी स्मरण शक्ति भी बेहतर होती है।

आलिंगन से एक व्यक्ति की आत्मिक ऊर्जा दूसरे के मन और चेतना में प्रवेश करने लगती है। ऐसा करने से परेशान व्यक्ति को राहत मिलती है। एक अध्ययन से पता चला है कि ब्रिटेनवासी प्रत्येक आलिंगन में नौ सेकंड से अधिक का समय लगाते हैं और इस तरह हर महीने आलिंगन के लिए वे एक घंटा समय खर्च करते हैं।

सिर्फ यही नहीं, आलिंगन में इतना समय खर्च करने के बावजूद सर्वेक्षण में शामिल किए गए 41 प्रतिशत लोगों ने कहा कि हम आलिंगन में और भी समय खर्च करना चाहते हैं। सर्वेक्षण में पाया गया है कि 69 प्रतिशत ब्रिटिश अपने प्रेमी या प्रेमिका के साथ आलिंगन करना चाहते हैं, जबकि 14 प्रतिशत अपने करीबी मित्र के साथ और नौ प्रतिशत ही अपनी मां के साथ आलिंगन करना चाहते हैं।

वास्तव में आलिंगन प्यार जताने का सबसे बेहतरीन तरीका है। कोई कितना भी परेशान क्यों न हो किसी अपने के गले लगकर बहुत अच्छा महसूस करता है। क्योंकि आलिंगन से एक व्यक्ति की आत्मिक ऊर्जा दूसरे के मन और चेतना में प्रवेश करने लगती है। ऐसा करने से परेशान व्यक्ति को तो राहत मिलती ही है, साथ ही आलिंगन वाला स्वयं भी ऊर्जा से भर उठता है।

प्यार जताने का तरीका

आलिंगन प्यार जताने का सबसे बेहतरीन तरीका है। कोई कितना भी परेशान क्यों न हो किसी अपने के गले लगकर बहुत अच्छा महसूस करता है। क्योंकि आलिंगन से एक व्यक्ति की आत्मिक ऊर्जा दूसरे के मन और चेतना में प्रवेश करने लगती है। ऐसा करने से परेशान व्यक्ति को तो राहत मिलती ही है, साथ ही आलिंगन वाला स्वयं भी ऊर्जा से भर उठता है। एक ताजा अध्ययन के अनुसार, आलिंगन से स्वास्थ्य को भी फायदा होता है।

ब्लड प्रेशर पर कंट्रोल

वास्तव में आलिंगन स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है, और एक स्वस्थ जीवनशैली को बनाए रखने में भी मदद करता है। यह अवसाद का शमन करता है और रक्त के दबाव को बनाए रखने में मदद करता है। रक्तचाप के स्थिर रहने से सिर दर्द और अन्य बीमारियों के होने की आशंका कम होती है।

सिर्फ अंतरंगता नहीं

आलिंगन सिर्फ अंतरंगता के लिए ही नहीं होता है, बल्कि इससे भी बहुत ज्यादा होता है। जो जोड़े एक-दूसरे को गले लगाते हैं उनका अन्य (जो एक दूसरे को गले नहीं लगाते) जोड़ों की तुलना में मजबूत सम्पर्क होता है। जब कोई अपने पार्टनर को गले लगाता है तो वह भी नहीं जानता कि वह बातचीत के कौन से स्तर पर होता है। यहां तक कि कई बार बिना बोले सिर्फ गले लगना ही रिश्ते में जादुई असर करता है।

सावधानी भी जरूरी

वियना विश्वविद्यालय के शोध के मुताबिक किसी को गले लगाते वक्त हालांकि सावधानी बरतनी चाहिए। आप उसी को गले लगाएं, जिसे बहुत अच्छी तरह जानते हैं, वरना इसका उल्टा प्रभाव भी हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि ऑक्सीटोसिन को माता-पिता, बच्चों और दम्पतियों के बीच आपसी प्यार बढ़ने के लिए प्रमुख कारक माना जाता है। सक्रिय सम्बंध में रह रहे साथियों के बीच ऑक्सीटोसिन का स्तर अधिक पाया जाता है।

डिप्रेशन कम करता है

कई शोधों से भी यह बात साबित हो गई है कि किसी के साथ आलिंगन करने से अवसाद से लड़ने में मदद मिलती है। आलिंगन के दौरान रक्त से ऑक्सीटोसिन नामक हार्मोन का स्राव अवसाद से लड़ता है। अगर कोई अपने साथी की बाहों में सोता है तो न केवल उसको आरामदायक और शांतिपूर्ण नींद आती है बल्कि अगले दिन चेहरे पर एक बड़ी सी मुस्कान लेकर जागता है।

एक-दूसरे को जानना जरूरी

न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट्स के मुताबिक गले लगाने का फायदा हालांकि तभी मिलता है, जब गले लगने वाले दोनों व्यक्ति एक-दूसरे को जानते हों और एक-दूसरे पर भरोसा करते हों। यदि गले लगने वाले व्यक्ति एक-दूसरे को नहीं जानते या दोनों में से एक गले नहीं लगना चाहे तो इसका कोई फायदा नहीं मिल पाता है। उल्टे इससे बेचैनी बढ़ जाती है। गले लगाना अच्छी बात है, लेकिन भले ही कोई भी कितना भी एक-दूसरे से गले लगे, वास्तविकता यह है कि महत्वपूर्ण चीज आपसी भरोसा है।

रूखापन खत्म होता है

महिलाओं में बच्चों को जन्म देते वक्त और स्तनपान कराते वक्त इस हार्मोन का स्राव होता है, जिससे माता और बच्चों के बीच लगाव बढ़ता है। शोधार्थियों के मुताबिक अपने प्रियजनों को गले लगाने वाले व्यक्ति के स्वभाव का रूखापन भी समाप्त होता है और उसमें समय के साथ मधुरता का विकास होता है।

बिंदी लगाने से दूर होती हैं झुर्रियां...

हजारों वर्षों से हमारे देश में पुरुष माथे पर तिलक और महिलाएं बिंदी लगाती आ रही हैं। इससे हमारी सेहत भी जुड़ी हुई है। भौंहों के बीच दाएं शरीर की सभी नसें मिलती हैं। इसे अग्निचक्र या तृतीय नेत्र भी कहते हैं। बिंदी लगाने से मन शांत व तनाव कम होता है। एक्यूप्रेशर के अनुसार इस बिंदु पर मसाज करने से सिरदर्द में राहत मिलती है। नसें और रक्त कोशिकाएं रिलैक्स हो जाती हैं। इस पॉइंट पर मसाज करने से रक्त का संचालन नाक के आसपास अच्छी तरह से होने लगता है। साइनस से होने वाली सूजन कम हो जाती है और बंद नाक खुल जाती है। चेहरे की मांसपेशियां मजबूत होती हैं जिससे झुर्रियों का आना कम होता है। बिंदी रक्त का प्रवाह बढ़ाकर मांसपेशियों को लचीला बनाती है। इस पॉइंट पर मसाज करने से चेहरे की नसें सक्रिय होती हैं और चेहरे के पक्षाघात का खतरा घटता है। आयुर्वेद में इसे शिरोधारा कहते हैं। इसमें 40-60 मिनट तक मेडिकेटेड ऑयल से इस बिंदु पर मसाज की जाती है। कपाल के मध्य के केंद्र बिंदु की नसें आंखों की मांसपेशियों से संबंधित हैं जो अगल-बगल और ऊपर देखने में मदद करती हैं। जो नस चेहरे की मांसपेशियों को उत्तेजित करती है वह कान के भीतर की मांसपेशियों को मजबूत बनाकर कान को स्वस्थ रखने में मदद करती है। भौंह के बीच लाइन कम होती है। मसाज करने पर रक्तप्रवाह बढ़ता है जिससे फाइन लाइंस चली जाती हैं। चेहरे, गर्दन, पीठ और शरीर के ऊपरी भाग की मांसपेशियों की उत्तेजना को घटाकर मन को शांत करने का काम बिंदी करती है। इससे अनिद्रा में भी राहत मिलती है।

...तो घट जाएगी उम्र!

हर कोई चाहता है वह स्वस्थ और लम्बी उम्र जिए लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी में हम कुछ ऐसे काम करते हैं, जिनसे हमारे जीवन के कुछ घंटे, कुछ दिन या कुछ साल कम होते चले जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार टीवी का हर एक घंटा आपके जीवन से 22 मिनट कम कर रहा है। यानी अगर आप औसतन हर रोज छह घंटे टीवी देखते हैं, तो आपके जीवन से पांच साल कम हो सकते हैं। यह सही है कि आपको काम से छुट्टी की जरूरत है ताकि शरीर को आराम मिल सके। लेकिन बहुत ज्यादा आराम नुकसानदेह हो सकता है। काम के बाद अचानक लंबे वक्त तक आराम इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है। सोना शरीर के लिए जरूरी है लेकिन बहुत ज्यादा सोने से आपकी उम्र कम हो सकती है। आठ घंटे से ज्यादा बिस्तर पर पड़े रहने से फायदा कम और नुकसान ज्यादा होता है। इसलिए नियमित रूप से सोएं, लेकिन आठ घंटे से ज्यादा नहीं। क्या आपको दफ्तर में कई घंटे बैठना पड़ता है? जामा इंटरनल मेडिसिन की रिसर्च बताती है कि दिन में ग्यारह घंटे बैठने से मौत का खतरा 40 फीसदी बढ़ जाता है। इसलिए काम के बीच में ब्रेक लें और हो सके तो कुछ देर खड़े रह कर काम करें। शरीर के लिए कसरत बेहद जरूरी है लेकिन सिर्फ शौक के चलते जरूरत से ज्यादा कसरत करना नुकसानदेह है। बेहतर होगा अगर डॉक्टर या फिजिकल ट्रेनर की राय के मुताबिक कसरत की जाए।

इंडियन लाइसेंस से विदेशों में ड्राइविंग...

अगर आपके पास इंडियन लाइसेंस है और कार ड्राइविंग के शौकीन तो आपके लिए यह खुशखबरी है कि आप विदेशों की स्मूथ सड़कों पर भी ड्राइविंग का मजा ले सकते हैं। विदेशों में भी आप इंडियन लाइसेंस को साथ वहां के नियम और कानून का पालन करते हुए कार या फिर बाइक आदि ड्राइव कर सकते हैं। आइए जानते हैं उन देशों के बारे में जहां इंडियन लाइसेंस के साथ ड्राइविंग की जा सकती है।

न्यूजीलैंड

अगर आपकी उम्र 21 साल से ज्यादा है तो आप 1 साल तक न्यूजीलैंड में इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस के साथ कार ड्राइव कर सकते हैं। अगर आपका ड्राइविंग लाइसेंस इंग्लिश में नहीं है तो एजेंसी से न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी से ट्रांसलेट कराना होता है।

ऑस्ट्रेलिया

आप न्यू साउथ वेल्स, क्वीन्सलैंड, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलिया कैपिटल टेरिटरी में ही भारतीय वैलिड ड्राइविंग लाइसेंस से ड्राइव कर सकते हैं। लीगल ड्राइविंग लाइसेंस के साथ आप वही गाड़ी चला सकते हैं जिसकी इजाजत भारतीय ड्राइविंग लाइसेंस में है। यहां इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस सिर्फ 3 महीने के तक ही चलेगा।

फ्रांस

फ्रांस में इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस को एजेंसी से फ्रेंच में ट्रांसलेट कराना भूलने पर मुसीबत खड़ी हो सकती है। फ्रांस में इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस 1 साल तक चलता है।

अमेरिका

अमेरिका में आप भारतीय ड्राइविंग लाइसेंस से एक साल तक कार ड्राइव कर सकते हैं। इसके बाद आपको इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट बनवाना पड़ेगा।

साउथ अफ्रीका

साउथ अफ्रीका में कार ड्राइव करने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस इंग्लिश में होना चाहिए और साथ ही इसमें आपकी फोटो और साइन होना सबसे जरूरी है।

नार्वे

अगर आपको नार्वे में ज्यादा समय के लिए रहना है तो आपको वहां का ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना पड़ेगा। यहां पर आप इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस के साथ 3 महीने तक ही कार ड्राइव कर सकते हैं।

स्विट्जरलैंड

कार ड्राइव करने के लिए इंडियन लाइसेंस स्विट्जरलैंड में सिर्फ 1 साल तक के लिए ही वैलिड होता है।

इंग्लैंड

इंग्लैंड में आप इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस के साथ सिर्फ छोटी कार और बाइक ही अपने लाइसेंस से चला सकते हैं। यूके को कार ड्राइव के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन माना जाता है।

जर्मनी

अगर आपके पास इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है तो एजेंसी से इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस को जर्मनी में ट्रांसलेट करवा सकते हैं और जर्मनी में 6 महीने तक कार ड्राइव कर सकते हैं।

आभार और उदारता के फायदे...

जीवन को उदारता और दया भाव से जीना वाकई गर्व और हर्ष की बात है, लेकिन इसके लिए आपको दुनिया को देखने के अपने नजरिये पर विचार मंथन करना होता है। भलाई करते समय पूरी सावधानी भी बरतनी पड़ती है। जीवन जीने के दो विकल्प होते हैं, या तो आप दयालु भाव और उदारता के साथ जीवन जिएं। और दूसरा विकल्प होता है कि जैसा जीवन जी रहे हैं, वैसे ही जीते रहें। जीवन को उदारता और दया भाव से जीना वाकई गर्व और हर्ष का विषय है। मानव शरीर पांच तत्वों से बना है और उसकी आत्मा बनी है प्रेम से। उदारता आत्मा को पवित्र करती है। उदारता के साथ जीवन जीने पर हर दिन, हर पल जीवन आनंद का अनुभव कराता है। तो चलिए जानें कि कैसे खुद को उदार बनाएं और एक बेहतर जीवन की शुरुआत करें।

यह कमजोरी नहीं

कई लोग सहिष्णुता का अर्थ कमजोरी समझ लेते हैं और ईंट का जवाब पत्थर से देने को आतुर रहते हैं। लेकिन इससे बात खत्म नहीं होती, बल्कि बढ़ती है। इससे आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू होता है। अधिकांश मामलों में सहिष्णुता के माध्यम से ही वातावरण को तनावमुक्त कर सामान्य बनाया जा सकता है।

महिलाओं से सीखें

पूरी दुनिया की महिलाएं उदारता और सहिष्णुता का अनुपम उदाहरण हैं। उनका त्याग, सेवा, दयाभाव व परिवार के प्रति समर्पित भाव उनकी सहिष्णुता के कारण ही होता है। कई बार खुद आधा पेट खाकर पति, बच्चों व पूरे परिवार को भोजन कराने वाली भारतीय महिला बीमारी, हाथ-पैर दर्द व अन्य तकलीफों के समय भी अपने कामों में जुटी रहती हैं। यह उनकी सहिष्णुता और उदारता का ही अनुपम उदाहरण है।

सतर्कता रखें

उदारता के साथ सतर्कता रखने की भी जरूरत होती है ताकि आपकी उदारता और भलमनसाहत का लोग अनुचित लाभ न उठाने पाएं। सज्जनों को ठग लेना आसान है। इसलिए उदार बनें लेकिन सतर्क भी रहें।

औरों की मदद करें

किसी से मदद लेना कोई बुरी बात नहीं। सभी को जीवन में कभी ना कभी, किसी ना किसी की मदद की आवश्यकता पड़ती ही है। इसलिए इसे अहं का विषय न बनाएं। मदद लें, लेकिन औरों की भी मदद करें। जब आप किसी की मदद करते हैं तो न सिर्फ आपको बल्कि लोगों को भी उदारता का महत्व समझ आता है। कभी-कभी थोड़ा समय निकाल कर किसी जरूरतमंद इंसान की सहायता करें। जरूरी नहीं कि वह सहायता धन की ही हो, आप किसी काम में उसकी मदद कर भी उसके मुश्किल व तनावपूर्ण दिन को बेहतर और आसान बना सकते हैं।

विचार मंथन

आप दुनिया को देखने के अपने नजरिए पर जब विचार मंथन कर यह जानने की कोशिश करते हैं कि क्या वाकई आपका नजरिया सही है। ऐसा करके आप अपने नजरिये में काफी सुधार कर सकते हैं। बुरे तजुर्बे अक्सर नकारात्मक भावना लेकर आते हैं, इसलिए यह याद रखना कि किसी की उदारता की वजह से आपका कई बार भला हुआ है, आपको उदार बनने के लिए प्रेरित करता है।

सराहना करना सीखें

खुद की और दूसरे लोगों की सराहना करना सीखें। इसकी शुरुआत अपने सबसे अच्छे अध्यापक को एक धन्यवाद पत्र लिखकर करें। जब आप ऐसा करेंगे तो आपके अध्यापक को कई साल बाद वो पत्र पाकर बेहद खुशी और गर्व होगा कि उनके आपको सिखाते समय दिखाए धैर्य और उदारता का सही फल मिला है। इससे आपको भी उदार बनने की प्रबल प्रेरणा मिलेगी।

गलतियों को मानें

कहते हैं कि जो इंसान अपनी गलतियों से सीखता है वह उन्हें दोहराता नहीं है और बेहतर जीवन जीता है। इसलिये अपनी गलतियों को छिपाएं नहीं, उन्हें स्वीकार करें और सीख लें। इससे ना सिर्फ उदार बनेंगे बल्कि आप में सकारात्मक भी पैदा करता है।

श्री कुबाजी महाराज के मेले में शामिल हुए मंत्री जोराराम कुमावत

जयपुर टाइम्स

पाली(निसं.)। पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत अपने पाली प्रवास के दौरान बालराई में श्री कुबाजी महाराज के आठवें वर्षगांठ मेला समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने श्री डोवेश्वर कुमावत युवा मंडल के पदाधिकारियों व समाजसेवियों को सम्मानित किया। इस मौके पर टेवाली सरपंच जोगाराम कुमावत, बालराई सरपंच केसाराम कुमावत, सुमेरपुर मंडी अध्यक्ष के पुखराज कुमावत, जोधाराम, गुलाब कुमावत, अशोक कुमावत भावनगर, प्रवीण कुमावत बालराई, ललित कुमावत् आदि मौजूद रहे। इससे पहले विशाल भजन संध्या हुई, जिसमें कलाकार महावीर सांखला नागौर ने भजन सुनाकर उपस्थितजनों को भावविभोर कर दिया।

रीनम ने जीता रोड सेफ्टी प्रतियोगिता पुरस्कार

जयपुर टाइम्स

कानोता(निसं.)। कस्बा स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कानोता की छात्रा रीनम टाक ने रोड सेफ्टी लाइन की ओर से आयोजित रोड़ सेफ्टी पोस्टर प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य सीमा शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में जयपुर की 61 स्कूलों के 2775 विद्यार्थियों ने भाग लिया था जिसमें कक्षा 10 की छात्रा रीनम ने विद्यालय का नाम रोशन किया। टैगोर पब्लिक स्कूल वैशाली नगर के सभागार में बुधवार को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व चीफ जस्टिस एन.के जैन, जूरी अध्यक्ष पदम तिलक गिताइ जोधपुर के चेयरमैन डॉ.एस.एस अग्रवाल आदि अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किया। यह जानकारी विद्यालय के मीडिया प्रभारी शिक्षक पवन शर्मा ने प्रदान दी।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, युवक गंभीर घायल

जयपुर टाइम्स

चाकसू(निसं.) चाकसू कस्बे के शीतला माता मंदिर के पास स्थित झरनिया पुलिया पर गुरुवार को एक अज्ञात वाहन ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भयावह था कि बाइक सवार उछलकर पुलिया की दीवार से टकराया और सड़क पर जा गिरा। गनीमत रही कि पुलिया पर डिवाइडर होने के कारण वह नीचे गिरने से बच गया, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। वहीं घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। इस दौरान वहां मौजूद पत्रकार पवन खंडेलवाल, शुभम चौधरी और किरण चौधरी ने मानवता का परिचय देते हुए तुरंत प्रभाव से 108 एम्बुलेंस को कॉल किया। हालांकि एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंच सकी, जिस पर उन्होंने सड़क से गुजर रहे एक जुगाड़ वाहन को रोककर घायल को चाकसू अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तुरंत प्रभाव से उपचार शुरू किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक की पहचान विकास यादव पुत्र रामलाल यादव निवासी ईसरदा, सवाई माधोपुर के रूप में हुई है। अस्पताल पहुंचते ही मौके पर मौजूद लोगों ने उसके परिजनों को सूचना दे दी।

चाकसू में रिमझिम बारिश में ही नालियां जाम, पानी सड़क पर बहता हुआ

जयपुर टाइम्स

चाकसू(निसं.) चाकसू कस्बे के मुख्य बाजार में गुरुवार को हुई रिमझिम बारिश से चाकसू शहर की नालियां जाम हो गई। नालियों में कचरे जाम होने के कारण पानी सड़कों पर बहने लगा। 10 मिनट की बारिश में ही मुख्य बाजार की नालियों की सफाई की पोल खुलती नजर आई। वही मुख्य बाजार में लुहारो की मस्जिद के पास सड़क व नालियों के बीच का फर्क मिट गया। जबकि बारिश के बाद सड़क पर फैला नालियों का गंदे पानी में चलने से राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहां मौजूद दुकानदारों ने बताया कि यहां की नालियां हल्की बारिश में ही चोक हो जाती है जिससे दुकानदारों व राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है लेकिन दोपहर में हुई बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली।

कच्ची बस्तियों व झुग्गी झोंपड़ियों के ड्रॉपआउट व अनामांकित बच्चों का शिक्षाधिकारियों ने किया हाउस होल्ड सर्वे

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। शिक्षा विभाग द्वारा प्रवेशोत्सव अभियान के प्रथम चरण के तहत विद्यालयों में अनामांकित विद्यार्थियों के चिन्हीकरण हेतु शिक्षकों के माध्यम से हाउसहोल्ड सर्वे किया जा रहा है। विद्यालयों द्वारा किए जा रहे हाउसहोल्ड सर्वे के प्रमाणीकरण एवं प्रगति की जांच हेतु मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा शर्मा, एडीपीसी समग्र शिक्षा दिनेश कुमार गुप्ता एवं कार्यक्रम अधिकारी हेमराज मीना सहित शिक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा बजरिया शहरी क्षेत्र इंदिरा कॉलोनी में बांस का कार्य करने वाले तथा गौतम कॉलोनी आकाशवाणी के पास स्थित ढोल बजाने वाले कच्ची बस्ती, झुग्गी-झोंपड़ियों में निवास करने वाले अनामांकित तथा विद्यालय छोड़ चुके (ड्रॉपआउट) बच्चों की पहचान हेतु विशेष हाउसहोल्ड सर्वे किया गया। इस सर्वे का उद्देश्य ऐसे वंचित एवं उपेक्षित बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा प्रणाली से जोड़ना है, जो किसी कारणवश विद्यालय में नामांकित नहीं हो पाए है या बीच में पढ़ाई छोड़ चुके है। एडीपीसी दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इस विशेष हाउस होल्ड सर्वे के तहत शिक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा विभिन्न कच्ची बस्तियों का दौरा किया गया और घर-घर जाकर बच्चों की जानकारी एकत्र की गई। सर्वेक्षण के दौरान बच्चों की उम्र, शिक्षा का स्तर, पूर्व में किए गए नामांकन की स्थिति, ड्रॉपआउट के कारण आदि बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी संकलित की गई। शिक्षा विभाग द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि इन बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने हेतु प्रेरित किया जाए और उनके पुनः ड्रॉपआउट की संभावना को समाप्त किया जा सके। इसके लिए समुदाय स्तर पर भी जनजागरूकता अभियान एवं अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। कार्यक्रम अधिकारी हेमराज मीना ने बताया कि कच्ची बस्तियों में विशेष सर्वे के उपरांत 5 विद्यार्थियों, पायल, राकेश, शकीना, मंगल, खुश, जमुना को चिन्हित कर नजदीकी राजकीय विद्यालयों में अस्थाई रूप से प्रवेश देकर स्वागत किया गया तथा अस्थाई प्रवेश प्रमाण पत्र प्रदान किया गया ताकि वे शीघ्र ही औपचारिक शिक्षा की मुख्यधारा में पुनः सम्मिलित हो सकें। अस्थाई नामांकन के बाद विद्यार्थियों की पूर्व शैक्षणिक स्थिति के आधार पर उन्हें आवश्यक शैक्षणिक सहायता, शिक्षण सामग्री, यूनिफॉर्म, पुस्तकें आदि उपलब्ध करवाने एवं विद्यालय स्तर पर काउंसलिंग एवं अभिभावकों से संवाद स्थापित कर बच्चों की सतत उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विद्यालय को निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान राउमावि मानटाऊन प्रधानाचार्य चंद्रशेखर जोशी, व्याख्याता ममता गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

जेडीए ने सात बीघा सरकारी भूमि को कराया अतिक्रमण मुक्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में ग्राम सेवापुरा में करीब 07 बीघा नदी की सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-पीआरएन-साउथ में गैर अनुमोदित योजना नारायण विहार जी ब्लॉक के भूखण्ड संख्या 179 में व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बेसमेन्टद्रुकानों के किये गये अवैध निर्माण की पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। जोन-4 में गैर अनुमोदित योजना लाल बहादुर नगर, एस.एल. मार्ग के भूखण्ड संख्या एफ-7 में व्यवसायिक प्रयोजनार्थ के किये गये अवैध निर्माण की पुख्ता सीलिंग एवं मैट्रो एन्कलेव के भूखण्ड संख्या 106, 107, 165, 166 में बेसमेन्टतृतीय मंजिला किये गये अवैध निर्माण की पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। जोन-पीआरएन-नोर्थ में सुओमोटो के तहत साई वाटिका-5 की रोड़ सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। महानिरीक्षक पुलिस श्री कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया को जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम सेवापुरा, जिला जयपुर में करीब 07 बीघा नदी की सरकारी भूमि पर कब्जा-अतिक्रमण कर अवैध रूप से बाउण्ड्रीवाल बनाकर, सीमेन्ट के पिल्लर गाड़कर, तारबंदी कर, डामर की रोड़ डालकर व अन्य अवैध निर्माण कब्जें-अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर आज उपायुक्त जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जेडीए द्वारा जोन-पीआरएन-साउथ के क्षेत्राधिकार में अवस्थित गैर अनुमोदित योजना नारायण विहार जी ब्लॉक के भूखण्ड संख्या 179 में व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बेसमेन्ट. दुकानों का निर्माण किये जाने पर निर्माणकर्ता को धारा 32, 33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था। परन्तु निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर धारा 34 (क) का नोटिस जारी कर आज दिनांक 08.05.2025 को उक्त व्यवसायिक अवैध बिल्डिंग के प्रवेश द्वारों इत्यादि को इंजीनियरिंग शाखा की मदद से शटर पर ताला सील चपडी लगाकर पुनः नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई।

प्रिंसिपल डॉ दीपक माहेश्वरी से प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप चौधरी ने की मुलाक़ात

सर्वसहमति से प्रदेश महासचिव, सचिव, जयपुर जिलाध्यक्ष की नियुक्त की

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान नर्सिंग ऑफिसर यूनियन की बैठक एसएमएस मेडिकल कॉलेज में यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप चौधरी की अध्यक्षता में बैठक हुई । बैठक में सर्वसहमति से राजस्थान नर्सिंग ऑफिसर यूनियन की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए प्रदेश महासचिव सुनीता गुर्जर,हेमंत चौधरी,जयपुर जिलाध्यक्ष ओमशंकर चौधरी,जयपुर ज़िला उपाध्यक्ष राजेश कुमार सैन को नियुक्त किया।प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप चौधरी ने बताया कि एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ दीपक माहेश्वरी ओर सीएमएचओ जयपुर प्रथम अधिकारी डॉ रवि शेखावत को माला साफा पहनाकर आभार प्रकट किया । प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप चौधरी बताया कि प्रिंसिपल डॉ दीपक माहेश्वरी को प्लेसमेंट एजेंसी से कार्यरत नर्सिंग ऑफ़िसर्स कर्मचारियों को बजट सत्र 2024-025 में घोषणा में निविदा कर्मचारियों को राजकीय संस्था से लेकर ठेका प्रथा बंद करने की घोषणा की थी । राजस्थान नर्सिंग ऑफ़िसर्स यूनियन प्री बजट संवाद कार्यक्रम में माँग रखी थी कि निविदा नर्सिंग ऑफ़िसर्स को आरएलएसडीसी बोर्ड में शामिल करने की माँग रखी थी जिसको चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने पूरा किया । राजस्थान नर्सिंग ऑफिसर यूनियन ने चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर का यूनियन की ओर आभार प्रकट किया। प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप चौधरी ने बताया कि एसएमएस मेडिकल कॉलेज के अधीन कार्यरत प्लेसमेंट एजेंसी से कार्यरत कर्मचारियों की लिस्ट राजकीय संस्था में भेजने की माँग करी प्रिंसिपल से आश्वासन दिया कि सभी की लिस्ट जल्द भेज दी जायेगी ओर सबकी सेवा निरंतर जारी रहेगी।इस मोके पर देवेंद्र फ़ौजदार,सुरेंद्र,रवि कुमार गुप्ता,दिनेश चौधरी,नरेंद्र गुर्जर,रोशन चौधरी,ऋषिकेश जाटव,प्रहलाद शर्मा,सुनीता चौधरी,माया,अमीष,पिंकी मीणा,रोशन रावत,पूजा,अंजू,रेनु,करण।

अरबों वर्षों पुरानी भूवैज्ञानिक विरासत, 82 प्रकार के खनिज चिन्हित

जयपुर टाइम्स

जयपुर प्रमुख शासन सचिव खान एवं भूविज्ञान श्री टी. रविकान्त ने कहा कि राजस्थान की अरबों वर्षों पुरानी भूवैज्ञानिक विरासत के कारण यह प्रदेश खनिज संपदा के मामले में देश में अग्रणी है। राज्य में अब तक 82 प्रकार के खनिज चिन्हित किए जा चुके हैं, जिनमें से 57 का सक्रिय रूप से खनन हो रहा है। इन खनिजों में सीसा-जस्ता, सोना-चांदी, कॉपर-आयरन ओरे, लाइमस्टोन से लेकर मेसेनरी स्टोन तक शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की बजटीय घोषणा के अनुरूप जयपुर में माइनिंग सेक्टर का एक्सीलेंस सेंटर स्थापित किया जा रहा है। इस केंद्र में राज्य की ऐतिहासिक खनिज संपदा, चट्टानों और जीवाश्मों का वैज्ञानिक संग्रह व प्रदर्शन किया जाएगा। श्री रविकान्त ने झालाना स्थित जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (त्स्द्ध) के खनिज संग्रहालय का निरीक्षण किया और संग्रहालय में संरक्षित चट्टानों, खनिजों व जीवाश्मों की सराहना की। त्स्द्ध के निदेशक श्री एमवाई खांडे और भूविज्ञानी त्रिपर्णा घोष ने राजस्थान की भूगर्भीय धरोहर जैसे बीजीसी चट्टानों, अरावली श्रृंखला, दिल्ली सुपरग्रुप, विंध्यन वेल्ट और मारवाड़ युग की चट्टानों की जानकारी दी। राज्य सरकार खनिज अन्वेषण कार्य को गति देने के साथ ही खनन ब्लॉकों की नीलामी योजनाबद्ध ढंग से कर रही है।

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु/विकास शाखा/2025/692 दिनांक :– 28.04.2025

निविदा सूचना – 2025

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मस से निविदा दिनांक 07.05.2025 को दोपहर 3:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रतियां दिनांक 07.05.2025 को दोपहर 1:00 बजे तक विक्रय की जावेगी प्राप्त निविदायें उसी दिन उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष सायं 4:00 बजे खोली जावेगी। उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट **www.sppp.raj.gov.in** पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक– **(DLB2526WSOB03148)** कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ

राज.संवाद/सी/25/1905

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु/सफाई शाखा/2025/873 दिनांक :– 05.05.2025

:–ई–निविदा सूचना–2025–26:–

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 21.05.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट **https://eproc.rajasthan.gov.in** से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट **www.sppp.raj.gov.in** पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक **(DLB2526SLOB03840), (DLB2526SLOB03844)** है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ

राज.संवाद/सी/25/1904

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु/विकास शाखा/2025/836 दिनांक :– 02.05.2025

:–ई–निविदा सूचना–2025–26:–

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 19.05.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट **https://eproc.rajasthan.gov.in** से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट **www.sppp.raj.gov.in** पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक **(DLB2526WSOB03814), (DLB2526WSOB03817)** है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ

राज.संवाद/सी/25/1903

OFFICE OF THE ADDL. CHIEF ENIGNEER, PWD, ZONE BIKANER

No:-140 Dt.:- 25-04-2025
NIB CODE:- PWD2526A0270

NIB NO. 02/2025-26

Bid for 03 No. work Sanctioned Under Budget Announcement Year 2025-26 Road, work are invited from interested bidders upto 06.00 PM dt. 20.05.2025 (Tuesday) Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state and DIPR department website. The approximate values of the procurement is Rs. 4531.64 Lakhs.

UBN Code No.

PWD2526WLOB00845
PWD2526WLOB00846
PWD2526WLOB00847

DIPR/C/5846/2025

**Addl. Chief Engineer,
PWD, Zone Bikaner**

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, फुलेरा जिला जयपुर

क्रमांक- न.पा. फु/2024-25/ दिनांक-

आपत्ति सूचना

एतदद्वारा हितबद्ध व्यक्ति विशेष आग खास को सूचित किया जाता है कि पालिका क्षेत्र मे अधोलिखित व्यक्तियों द्वारा नामान्तरण / फोति नामान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है ।

क्र.स.	प्रार्थी का नाम	स्थान	मूल पटटाधारक / नामान्तरणधारक	क्षेत्रफल वर्गगज	प्रयोजनार्थ
1	श्री कन्हैया लाल कुमावत पुत्र श्री नारायण लाल कुमावत	प्लाट नं. 01 सांभर फुलेरा रोड फुलेरा	श्रीमती मालती देवी पत्नी श्री नृसिंह लाल	65.33	नामान्तरण

किसी भी व्यक्ति को निम्नाकिंत ईजाजत बावत आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मयाद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षकर्तृता को प्रस्तुत करावे बाद मयाद गुजरने आपत्ति मान्य नही होगी ।

**अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मण्डल, फुलेरा**

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बिसाऊ (झुंझुनू)

Ph. 01595-264210, Fax- 01595-264210 Email- bisau.jaipur@gmail.com
क्रमांक- 856 दिनांक- 05/05/2025

आपति विज्ञप्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा 69-क के तहत नियमन हेतु पालिका में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति / हितधारक / संस्था को कोई आपति हो तो आपति सूचना प्रकाशन के सात दिवस के अन्दर-2 सुसंगत दस्तावजों के साथ आपति प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद मियाद गुजरने किसी आपति पर विचार नही किया जावेगा।

क्र.स.	पत्रावली सं.	आवेदक का नाम व पता	भूमि / भवन के वार्ड / कोलोनी गली का नाम	भूखण्ड का क्षेत्रफल	प्रयोजन
1.	691	मन्जू पुत्री रामस्वरूप, वार्ड सं. 18 पुराना नया वार्ड सं. 22 बिसाऊ	रैगरों का मोहल्ला, वार्ड सं. 23 -बिसाऊ	216.87 व.मी.	69-क नियमन

**अधिशाषी पधिकारी
नगरपालिका मण्डल बिसाऊ**

कार्यालय ग्राम पंचायत श्यामपुरा

पं. स. पाटन (सीकर)

क्रमांक - 2025-26/12 दिनांक- 07.05.2025

ई-निविदा / खुली बोली सूचना /01/2025-26

ग्राम पंचायत के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तिय वर्ष 2025-26 में घर-घर कचरा एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानो से कचरा संग्रहण एवं प्रथक्करण, गांवो की सडक एवं नाली सफाई कार्य की सेवाओं हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 व ग्रामीण विकास एवं पचायतीराज विभाग (अनुभाग - 5) की गाईडलाईन अनुसार इच्छुक बोलीदाता / संवेदक / फर्म जो कि वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो, से दिनांक 15.05.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक खुली बोली / ई निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचनाएं एवं शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https:// sppp. rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. PKP2526WSRC00039

**ग्राम विकास अधिकारी
ग्रा.पं. श्यामपुरा**

कार्यालय ग्राम पंचायत बिहार

पं.स. पाटन (सीकर)

क्रमांक- 31 दिनांक- 07.05.2025

ई-निविदा/ खुली बोली सूचना /01/2025-26

ग्राम पंचायत के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तिय वर्ष 2025-26 में घर-घर कचरा एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानो कचरा संग्रहण एवं प्रथक्करण, गांवो की सडक एवं नाली सफाई कार्य की सेवाओं हेतु राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 व ग्रामीण विकास एवं पचायतीराज विभाग (अनुभाग - 5) की गाईडलाईन अनुसार इच्छुक बोलीदाता / संवेदक / फर्म जो कि वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो, से दिनांक 15.05.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक शर्ते वेबसाईट खुली बोली / ई निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचनाएं https://eproc.rajasthan.gov.in & https:// sppp. rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. PKP2526WSRC00037

**ग्राम विकास अधिकारी
ग्रा.पं. बिहार**

"ऑपरेशन सिंदूर" की दी बधाई

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। भारत सरकार की ओर से आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए "ऑपरेशन सिंदूर" के लिए स्थानीय राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की ओर से भारतीय सेना और सरकार को बधाई दी गई। इस मौके पर वर्तमान एम विद्यालय के शिक्षक व भारतीय सेना के सेवानिवृत्त सैनिक महावीर सिंह नेहरा, श्रवण सिंह, सुरेंद्र सिंह पूनिया ने विद्यालय की नारी शक्ति की प्रतीक शिक्षिकाओं व उपाचार्य मुकेश जोशी के सानिध्य में तीनों सेना और सरकार के लिए चार पौधे लगा लगाए गए।

बमबारी की घटना को किया नियंत्रित, एफसीआई गोदाम में मॉकड्रिल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। जिला कलक्टर चूरू के निर्देशानुसार सालासर रोड़ स्थित एफसीआई गोदाम में एयर स्ट्राईक व बमबारी की मॉक ड्रिल की गई। उपखंड कार्यालय में स्थापित नियंत्रण कक्ष से सभी मुख्य विभागों को घटना की जानकारी दी गई। जिस पर सभी सम्बंधित विभाग के अधिकारी संसाधनों के साथ मौके पर पहुंच गए और करीब 15 मिनट में ही स्थिति को नियंत्रित कर लिया। मौके पर लगी आग को फायर बिग्रेड की सहायता से नियंत्रित किया गया और घायलों को राजकीय बगड़िया अस्पताल पहुंचाया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार, उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा, उप पुलिस अधीक्षक दरजाराम बोस, सीआई बैगाराम मीणा सहित अनेक विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

नरेगा सुधारों को लेकर माकपा ने विकास अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की तहसील कमेटी ने वरिष्ठ नेता छगनलाल चौधरी के नेतृत्व में पंचायत समिति कार्यालय पर प्रदर्शन कर विकास अधिकारी महेंद्र सोलंकी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नरेगा मजदूरों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। पार्टी ने मांग की है कि नरेगा में मजदूरी दर 600 रुपये प्रतिदिन की जाए और वर्ष में कम से कम 200 दिन काम दिया जाए। साथ ही नरेगा कार्यों को खेती से जोड़ने की मांग की गई। ज्ञापन में चूरू जिले में नरेगा कार्यस्थलों पर पीने के पानी, छाया और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था नहीं होने पर चिंता जताते हुए तत्काल व्यवस्था शुरू करने की मांग की गई। इसके अलावा मजदूरों को औजार उपलब्ध करवाने, इंटरनेट नहीं होने पर हाजिरी हार्ड कॉपी में लेने, मेट को कुशल मजदूर का दर्जा देने और समय पर मजदूरी भुगतान की मांग की गई। इस मौके पर छगनलाल चौधरी, किसान सभा मंत्री काशीराम सारण, महेन्द्र मेघवाल, रामदेव भाकर, जयनारायण, भंवरलाल, लादूराम भोजराज, शीशपाल, अनुराग पोटलिया, भरतराज बरोड़, मोहम्मद सलीम, भादरराम, शिशपाल खोथ, भंवरलाल, भोजराज सहित अनेक किसान व मजदूर उपस्थित रहे।

एसडीएम मुनेश कुमारी ने ब्लैक आउट में सहयोग पर जताया आभार

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। गृह मंत्रालय के निर्देश पर रात बुधवार को हवाई हमले की स्थिति से निपटने के लिए निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार अंचल में रात्रि पौने दस से दस बजे तक ब्लैक आउट का पूर्वाभ्यास किया गया। पौने दस बजते ही सायरन की गूंज शुरू हुई, जिसके बाद लोगों ने तुरंत अपने घरों की बिजली बंद कर दी। वहीं विद्युत विभाग की ओर से भी बिजली की कटौती की गई और स्ट्रीट लाइटों को बंद किया गया। ब्लैक आउट के चलते करीब 15 मिनट तक पूरा क्षेत्र घअंधेरे में डूब गया और पूरी तरह से शांति छा गई। प्रशासन ने इसके लिए आमजन से सहयोग की अपील की गई थी, जिसका व्यापक असर देखने को मिला और लोगों ने साढ़े नौ बजते ही अपने घरों और दुकानों की बिजली बंद कर दी। उप जिला कलेक्टर मुनेश कुमारी ने बताया कि निर्धारित समय में सायरन बजते ही सभी नागरिकों ने अपने घरों, दुकानों, होटलों, भवनों, वाहनों, स्ट्रीट लाइट, पर्यटन स्थलों व कार्यालयों की सभी लाइटें बंद करने के साथ ही अन्य किसी भी प्रकार की रोशनी का प्रयोग नहीं किया। एसडीएम ने ब्लैक आउट के पूर्वाभ्यास में प्रशासन का सहयोग करने के लिए जनता का आभार व्यक्त किया है।

झुंझुनूं में सड़कों की गुणवत्ता जांचेंगे, होगा सुधार

पीडब्ल्यूडी की सगुनी यात्रा पुस्तक विमोचन

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। सार्वजनिक निर्माण विभाग की सड़क गुणवत्ता निरीक्षण पहल 'सगुनी यात्रा' झुंझुनूं पहुंची। विभाग के मुख्य अभियंता (गुण नियंत्रण) जसवंत लाल खत्री के नेतृत्व में यह अभियान जिले की गारंटी अवधि में आने वाली सड़कों की गुणवत्ता की जांच करेगा। इसके लिए विभाग ने 16 तकनीकी दलों का गठन किया है, जो जिले भर में फैली सड़कों का गहन निरीक्षण करेंगे।

अधिकारियों-छात्रों को दिया प्रशिक्षण

यात्रा की शुरुआत से पहले झुंझुनूं के आबूसर स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सार्वजनिक निर्माण विभाग के तकनीकी अधिकारियों के साथ-साथ सिविल इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने सड़क मूल्यांकन की प्रक्रिया, गुणवत्ता जांच की

आधुनिक तकनीकी विधियों और नवीनतम परीक्षण उपकरणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था, ताकि वे भविष्य में निर्माण क्षेत्र में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की बारीकियों को समझ सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन के बाद 'सगुनी यात्रा' को विधिवत हरी झंडी दिखाकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें 'सड़क गुणवत्ता' शीर्षक से एक ज्ञानवर्धक पुस्तक का विमोचन किया गया।

निरीक्षण टीमों में इंजीनियरिंग के छात्र

इस पहल की एक विशेष बात यह रही कि पहली बार सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों को तकनीकी निरीक्षण टीमों में शामिल किया गया है। यह अभिनव प्रयोग छात्रों को अनुभवी अधिकारियों के साथ वास्तविक निर्माण स्थलों और सड़कों पर जाकर मूल्यांकन प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा। इससे छात्रों को अपने शैक्षणिक ज्ञान को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का मौका मिलेगा, जो उनके भविष्य के करियर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।

झुंझुनूं में सड़कों का होगा आकलन

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता महेन्द्र सिंह ने यात्रा की प्रगति के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सगुनी यात्रा अब तक राजस्थान के 30 जिलों में सफलतापूर्वक पहुँच चुकी है, जहां सड़कों की गुणवत्ता का गहन निरीक्षण किया गया है। अब झुंझुनूं में भी यह महत्वपूर्ण प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिससे जिले की सड़कों की वास्तविक स्थिति का सही आकलन हो सकेगा और आवश्यक सुधार कार्य किए जा सकेंगे।

खामियों को दूर करना है मुख्य उद्देश्य

मुख्य अभियंता (गुण नियंत्रण) जसवंत लाल खत्री ने इस पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को हर स्तर पर सुनिश्चित करना है। हमारी टीमें सड़कों में संभावित तकनीकी खामियों की पहचान करेंगी और उन्हें समय रहते दूर करने की दिशा में ठोस कदम उठाएंगी। छात्रों को इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया से जोड़ना एक दूरदर्शी प्रयोग है, जिससे भविष्य के इंजीनियरों में गुणवत्ता के प्रति स्वाभाविक सजगता विकसित होगी और वे बेहतर निर्माण कार्यों में अपना योगदान दे सकेंगे।

इस पुस्तक में सड़क निर्माण में उपयोग की जाने वाली विभिन्न तकनीकों, गुणवत्ता मानकों और उनके परीक्षण की विस्तृत प्रक्रियाओं की जानकारी समाहित है, जो तकनीकी अधिकारियों और छात्रों के लिए समान रूप से उपयोगी सिद्ध होगी।

कान फिल्म फेस्टिवल में पहुंची राजस्थान की आवाज़

झुंझुनू के लेखक निर्देशक सोनू रणदीप चौधरी की फिल्म 'ओमलो' ने रचा इतिहास

जयपुर टाइम्स

जयपुर/सीकरूं(निस)। राजस्थान के सांस्कृतिक मानचित्र पर एक नया सितारा उभरा है। शेखावाटी के उभरते फिल्मकार सोनू रणदीप चौधरी ने अपनी पहली ही फिल्म ओमलो से सीधा कान फिल्म फेस्टिवल की चमकदार दुनिया तक कदम रखा है। यह उपलब्धि केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि राजस्थान की मिट्टी, थिएटर की परंपरा और लोक संवेदना की जीत है। फिल्म 'ओमलो' एक 7 साल के बच्चे ओमलो और एक ऊंट के जीवन शैली पर आधारित एक गहरी और असहज सच्चाई को उजागर करती है - वह है पारिवारिक हिंसा, पितृसत्ता और पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाला मानसिक शोषण। फिल्म दिखाती है कि कैसे एक मासूम बालक उसी दर्द और भय को जीने लगता है, जिससे कभी उसका पिता गुज़रा था। स्त्रियों की पीड़ा, उम्मीदों का टूटना, और एक मां की खामोश प्रार्थना कि उसका बेटा इस दुश्चक्र को तोड़ सके, यही इस फिल्म की आत्मा है। फिल्म की सिनेमेटिक शैली रियलिस्टिक और रॉ सिनेमा की मिसाल है। नाटकीयता से दूर, यह फिल्म दर्शकों

को अंदर तक झकझोर देती है। ऊँट और बच्चे के बीच का रिश्ता दर्शाता है कि कभी-कभी इंसानों से ज़्यादा संवेदनशीलता जानवरों में होती है और यही तुलनात्मक दृष्टि फिल्म को विशेष बनाती है।

लेखक,निर्देशक और निर्माता सोनू रणदीप चौधरी

शेखावाटी (कोलिंडा का बास) के एक छोटे से गांव से निकले इस युवा निर्देशक की कहानी भी किसी फिल्म से कम नहीं है। बचपन से ही कहानियों से लगाव रखने वाले सोनू ने थिएटर में 15 साल तक काम करके अपनी कला को निखारा। बिना किसी फिल्म स्कूल की डिग्री के, उन्होंने खुद को हर तकनीकी पहलू में दक्ष किया - कैमरा, एडिटिंग, स्क्रिप्ट, अभिनय, और निर्देशन में खुद को ढाला। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण ने उन्हें मुंबई तक पहुंचाया, जहाँ उन्होंने साबित किया कि सपने सिर्फ देखे नहीं, उन्हें जीने का हौसला भी होना चाहिए। सोनू की फिल्मी दृष्टि एक सच्चे कलाकार की तरह है, वह हमेशा परंपराओं से बाहर, कुछ नया और अनोखा करने की ओर अग्रसर रहते हैं। ओमलो' में उनकी गहरी संवेदनशीलता और लोक जीवन के प्रति सच्ची समझ उभर कर सामने आई है। उनकी फिल्में न केवल दर्शकों को सोचने के लिए मजबूर करती हैं, बल्कि उनका दिल भी छू लेती हैं। सोनू रणदीप चौधरी एक प्रेरणा हैं उन सभी लोगों के लिए जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देख सकते हैं और उन्हें साकार भी कर सकते हैं। उनकी फिल्म 'ओमलो' एक प्रमाण है कि विश्वस्तरीय सिनेमा भारत के छोटे शहरों से भी आ सकता है, बशर्ते कहानी सच्ची हो और प्रस्तुति ईमानदार। कान फिल्म फेस्टिवल में चयन इस बात का प्रमाण है कि भारत के छोटे शहरों में भी विश्वस्तरीय सिनेमा जन्म ले सकता है, बशर्ते कहानी सच्ची हो और प्रस्तुति ईमानदार।

झुंझुनूं में तेज बारिश से निचले इलाकों में भरा पानी

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं में गुरुवार को मौसम ने बदला और दोपहर करीब 2 बजे के बाद जिला मुख्यालय पर तेज बारिश हुई। करीब 20 मिनट तक बारिश का दौर चला। सुबह तेज धूप निकलने के कारण गर्मी से परेशान लोगों को बारिश से राहत मिली है। तेज बरसात होने पर हवाई पट्टी के पास पानी भर गया गया जिससे व्हीकल ड्राइवरों को काफी परेशानी हुई। सड़कों पर पानी भरने से ट्रैफिक प्रभावित हुआ। कई जगह कीचड़ और फिसलन भी हो गई, जिससे राहगीरों को परेशानी हुई। मौसम में लगातार बदलाव से तापमान में गिरावट दर्ज हुई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। गुरुवार को पिलानी मौसम केंद्र पर अधिकतम तापमान 35.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि बारिश के बाद अधिकतम तापमान में और भी गिरावट आ सकती है।

एफसीआई गोदाम के बाहर धरना शुरू

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। एफसीआई गोदाम में अपने नम्बर से पहले ट्रकों को अनलोड करवाने के नाम पर ली गई रिश्वत राशि को वापस नहीं लिए जाने से वाहन चालकों में असंतोष है। इसको लेकर वाहन चालकों को साथ में लेकर एफसीआई गोदाम के बाहर टेंट लगाकर धरना शुरू कर दिया गया है। धरनार्थियों का नेतृत्व कर रही अमृता चौधरी ने

बताया कि गोदाम के अंदर स्थित टॉयलेट, बाथमरू, पीने के पानी आदि की सुविधाओं से वाहन चालकों को महरूम रखा जाता है, जिसके कारण वाहन चालक आक्रोशित हैं। जब तक मांगे नहीं मानी जाएगी, तब तक धरना जारी रहेगा। धरने पर रतनलाल नायक, एडवोकेट तिलोकचंद मेघवाल, रामचंद्र, बृजमोहन, हरीकृष्ण, भगवानसिंह, हरी नायक, कालूराम खटीक, अजय, मोती, राजपाल आदि ने शिरकत की।

डोडा पोस्त छिलका प्रकरण में आर्थिक सहयोग करने वाला गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। दो युवकों के पास मिले पांच लाख रुपए के डोडापोस्त छिलका प्रकरण में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रकरण में आर्थिक सहयोग करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी राजलदेसर थानाधिकारी कमलेश कुमार ने बताया कि पंजाब निवासी 42 वर्षीय तरमेससिंह को गिरफ्तार किया है। तरमेससिंह ने 90 हजार रुपए नकदी व आठ हजार रुपए ऑनलाईन ट्रांसफर्र कर आर्थिक सहयोग किया था, जिस पर उसे गिरफ्तार कर गुरुवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 12 मई तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। आरोपी डोडापोस्त तस्करी की आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ विभिन्न थानों में कई प्रकरण भी दर्ज है और विभिन्न पांच प्रकरणों में अब तक गिरफ्तार भी हो चुका है। मामले के अनुसार चार अप्रैल को रतनगढ़ सीआई दिलीपसिंह मय जाब्ता गश्त कर रहे थे। इस दौरान जब वे लिंक रोड टी पॉइंट के पास पहुंचे, तो दो युवक दो-दो बैग लिए हुए बस के इंतजार में सड़क के किनारे बैठे थे। पुलिस ने दोनों युवकों को संदिग्ध मानते हुए पूछताछ की, तो दोनों ही युवक संतोषजनक जबाब नहीं दे पाए, जिस पर पुलिस ने चारों बैगों की तलाशी ली, तो उसमें डोडापोस्त छिलका बरामद हुआ। पुलिस ने चारों बैग को जब्त कर दोनों युवकों से नाम पता पूछा, तो इन्होंने अपना नाम 24 वर्षीय अनमोलसिंह पुत्र गुरप्रीतसिंह मजबीसिख व 24 वर्षीय ब्रजिन्द्रसिंह पुत्र गुरलालसिंह रामदासिया सिख निवासी पंजाब बताया, जिस पर पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच थानाधिकारी कमलेश कुमार के सुपुर्द की थी।

बारिश के साथ पलटा मौसम का मिजाज

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ(नि.सं.)। क्षेत्र में गुरूवार दोपहर बाद बारिश हुई। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई और एक बार उमस का मौसम हो गया। वहीं शाम को हवा चलने के कारण मौसम खुशनुमा हो गया। करीब 15-20 मिनट तक सुजानगढ़ शहर में बारिश होने के कारण अस्थायी रूप से सड़कों पर पानी नजर आया।

परिवहन विभाग की बैकलॉग फाइलों में मिली गड़बड़ी: खेतड़ी डीटीओ सहित 3 सस्पेंड

जांच में झुंझुनूं में भी फर्जीवाड़ा उजागर

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं जिले में परिवहन विभाग में बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हुआ है। विभाग ने हाल ही में बैकलॉग फाइलों की जांच की थी। इसमें झुंझुनूं और खेतड़ी के परिवहन कार्यालयों में पुराने वाहन नंबरों के आवंटन में भारी अनियमितताएं पाई गई। इस गड़बड़ी के चलते सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए परिवहन विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। अन्य अधिकारियों की संलिप्तता की जांच भी जारी है।

बैकलॉग फाइलों की जांच में खुली पोल

परिवहन विभाग के मुख्यालय ने सभी

आरटीओ कार्यालयों में पुराने वाहन नंबरों के बैकलॉग की फाइलों की जांच के निर्देश दिए थे। इसी जांच के दौरान झुंझुनूं और खेतड़ी में सबसे बड़ी गड़बड़ियां सामने आईं। प्रारंभिक जांच में लगभग 200 फाइलें संदिग्ध पाई गई हैं, जिनमें गलत तरीके से नंबर आवंटित किए जाने के प्रमाण मिले हैं।

तीन अधिकारी निलंबित, अन्य पर भी लटकी तलवार

परिवहन आयुक्त ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबित किए गए अधिकारियों में झुंझुनूं के परिवहन निरीक्षक सुमित कुमार, खेतड़ी के कार्यवाहक डीटीओ रमेश यादव और सहायक प्रशासनिक अधिकारी गजेंद्र सिंह शामिल हैं। विभाग के सूत्रों के अनुसार, इस घोटाले में और भी अधिकारियों और कर्मचारियों की संलिप्तता हो सकती है, जिसकी गहन जांच की जा रही है।

सभी आरटीओ कार्यालयों में दोबारा जांच शुरू

इस घोटाले के सामने आने के बाद परिवहन विभाग हरकत में आ गया है। प्रदेश के सभी 14 प्रादेशिक परिवहन कार्यालयों में पुराने नंबरों के बैकलॉग की फाइलों की दोबारा जांच शुरू कर दी गई है। मुख्यालय स्तर से वरिष्ठ अधिकारियों को निगरानी के लिए नियुक्त किया गया है, जिनमें सीकर के धर्मपाल आसीवाल, चित्तौड़गढ़ के सौरभ पालीवाल, पाली के रविंद्र जोशी और भरतपुर के राजेश शर्मा शामिल हैं।

जांच में अनियमितताएं और अवैध बिक्री के संकेत

जांच में फाइलों में कई तरह की अनियमितताएं सामने आई हैं, जिनमें हस्ताक्षर में भिन्नता और बैकलॉग नंबरों की अवैध बिक्री जैसे तथ्य शामिल हैं। विभागीय सूत्रों का कहना है कि यह गड़बड़ी लंबे समय से चल रही थी, लेकिन हालिया जांच में इसके पुख्ता प्रमाण मिले हैं।

करोड़ों के नुकसान का अनुमान

प्रारंभिक जांच में ही सरकार को करोड़ों रुपए के वित्तीय नुकसान का अनुमान लगाया गया है। गलत तरीके से नंबरों के आवंटन और संभावित अवैध वसूली के कारण राजस्व को भारी क्षति पहुंची है। जांच आगे बढ़ने पर नुकसान का आंकड़ा और भी बढ़ सकता है।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
09 मई, 2025

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने विनायक होटल व मैरीज पैलेस का उदघाटन

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिह राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण व पदम् भूषण देवेंद्र झाझड़िया ने गुरुवार को तारानगर चूरू बाईपास पर स्थित विनायक होटल व मैरीज पैलेस का रीबन काटकर उद्दघाटन किया। होटल संचालक रवि स्वामी व महिपालराम स्वामी ने बताया कि होटल में शुद्ध शाकाहारी भोजन मिलेगा, होटल में शराब पीना व पीकर आना सख्त मना है। ठहरने की सम्पूर्ण व्यवस्था रहेगी। पूर्व पालिका अध्यक्ष जसवंत स्वामी ने आगंतुक लोगों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, पूर्व विस प्रत्याशी व भाजपा नेता राकेश जांगिड़, महावीर पूनियाँ, अमरसिह चारण, जमरदीन तेली, नगर अध्यक्ष अनूप खंडेलवाल, शिव भगवान जोशी, लीलाधर बगोरिया, सुरजाराम गहलोत, दलीप पूनियाँ, अजीतसिँह, विशाल शर्मा, कपिल स्वामी, मोहम्मद तैयब, त्रिलोक रेगर, राकेश टाक सहित कस्बे के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

कैंपस प्लेसमेंट शिविर में 145 आशार्थियों का चयन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। रोजगार सेवा निदेशालय राजस्थान, जयपुर तथा जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय की ओर से गुरुवार को जिला मुख्यालय स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए कैम्पस प्लेसमेंट शिविर आयोजित किया गया। शिविर के दौरान आईटीआई उपनिदेशक नेहा सैनी तथा रोजगार सहायक निदेशक वर्षा जानू शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आरएसएलडीसी समन्वयक जितेन्द्र ने कौशल प्रशिक्षण तथा शिविर में शामिल नियोजकों ने विभिन्न पदों की रिक्तियों के बारे में जानकारी दी। संचालन अनुदेशक कमलेश ने किया। रोजगार सहायक निदेशक वर्षा जानू ने बताया कि शिविर में लगभग 375 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिसमें प्रारम्भिक रूप से 145 बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया गया। शिविर में सीआईआई एमसीसी, फ्लेक्सजो एचआर सर्विसेज, इन्नोसोर्स लि., एलएण्डटी स्किल, श्री अम्बुजा फाउंडेशन, विजन इण्डिया इत्यादि कम्पनियों ने साक्षात्कार के माध्यम से बेरोजगार आशार्थियों का प्रारम्भिक चयन किया। इसी के साथ जिला उद्योग केन्द्र, राजकीय आईटीआई की ओर से स्वरोजगार, प्रशिक्षण के लिए प्रेरित किया गया और स्वरोजगार के लिए ऋण योजनाओं सम्बंधी जानकारी दी गई। कनिष्ठ रोजगार अधिकारी सुशीला कताला, वरिष्ठ सहायक संजय गोस्वामी व संदीप न्यौल ने सहयोग किया।

एसडीएम बिजेंद्र सिंह ने अटल जन सेवा शिविर में सुनीं जन समस्याएं

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार गुरुवार को चूरू एसडीएम बिजेंद्र सिंह ने चूरू पंचायत समिति सभागार में आयोजित अटल जन सेवा शिविर में आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम बिजेंद्र सिंह ने सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को विभागीय योजनाओं के समुचित प्रचार - प्रसार के निर्देश दिए। इसी के साथ आमजन से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अटल जन सेवा शिविर में राजस्व, नगरनिकाय, पीडब्लयूडी, बिजली, महिला अधिकारिता, सांख्यिकी विभाग से संबंधित कुल 15 परिवेदनाएं प्राप्त हुई, जिनमें से 11 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। बिजेन्द्र सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में परिवेदनाओं के निस्तारण के लिए निर्देशित किया।

जैन श्वेतांबर विद्यालय में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। स्थानीय जैन श्वेतांबर विद्यालय की कक्षा एलकेजी. से कक्षा 4 तक का परीक्षा परिणाम गुरुवार को अजय किशोर शर्मा के मुख्य आतिथ्य में घोषित किया गया। संस्था प्रधान जगदीश प्रसाद जांगिड़ ने बताया कि मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन व प्रार्थना के बाद परिणाम की घोषणां की गई। प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले विधार्थियों व उनके अभिभावकों को माला पहनाकर, प्रषस्ति-पत्र व प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अंग्रेजी माध्यम प्रधानाचार्य प्रेमसिंह राठौड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य जगदीश धुंआ, सुरेश शर्मा, विजय शर्मा, कमल कुमार, भंवरी देवी, अन्नु सैन, अरुणा बीका, देवकन्या, दीपारानी व दीनदयाल ने आगंतुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन पंकज सैनी ने किया।

अनाधिकृत और अपुष्ट जानकारी साझा नहीं करने की अपील

आपातकालीन परिस्थितियों को देखते हुए सतर्कता बरतें: सुराणा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने वीडियो संदेश जारी कर ब्लैक आउट मॉक ड्रिल के सफल आयोजन के लिए आभार जताते हुए आपातकालीन परिस्थितियों में सतर्कता व आवश्यक ऐहतियात बरतने की अपील की है। जिला कलक्टर सुराणा ने बुधवार को संपूर्ण जिले में ऑपरेशन अभ्यास अंतर्गत आयोजित ब्लैकआउट मॉक ड्रिल में सभी जिलेवासियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि इसी प्रकार भविष्य में भी आने वाली आपातकाल परिस्थितियों के मध्य

नजर समुचित तैयारी रखें और आवश्यक सावधानियां रखते हुए आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए मुस्तैद रहें। अनाधिकृत और अपुष्ट जानकारी साझा नहीं करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व अन्य मीडिया पर आधिकारिक जानकारी ही साझा की जाए। सोशल मीडिया पर प्राप्त किसी भी अनाधिकृत सामग्री को साझा करने से पूर्व जांच करें कि क्या कहीं इसे आधिकारिक तौर पर पोस्ट किया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा को देखते हुए अनाधिकृत सामग्री को शेयर करने से बचें और अन्य लोगों को भी इस बारे में जागरूक करें। जिला कलक्टर सुराणा ने कहा है कि आपातकाल परिस्थितियों को देखते हुए दो-तीन मिनट लंबा सायरन बजने पर आवश्यक ऐहतियात व सावधानियां बरतें। दिन के समय में सायरन बजने पर यथा स्थिति किसी सुरक्षित स्थान भूमिगत स्थान, बंकर आदि में चले जाएं और वाहन आदि जहां कहीं भी हो, उन्हें खड़ा कर सुरक्षित स्थान की ओर प्रस्थान करें। धीरे और कम समय के लिए सायरन बजने पर पुनः सामान्य स्थिति में लौटें। इसी प्रकार रात के समय सायरन बजने पर सबसे पहले अपनी लाइट बंद करें और सुरक्षित स्थान की ओर प्रस्थान करें।उन्होंने कहा कि बुधवार को ब्लैकआउट के दौरान कुछ दुकानों, एटीएम आदि के साईनेज वगैरह चालू रहने जैसे परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए भविष्य में इन्हें भी बंद रखें और सड़कों आदि पर चलते हुए सायरन की आवाज सुनकर वाहनों को यथा स्थिति में बंद करें। वाहनों की उनकी लाइट भी बंद करें। वर्तमान इन परिस्थितियों को देखते हुए सभी सहयोग करें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु मिलने पर प्रशासन को सूचित करें और आधिकारिक सूचना के लिए इंतजार करें। इस सम्बंध में किसी भी प्रकार की सूचना, समस्या के लिए जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष को भी सूचित किया जा सकता है। जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 01562 - 251322 हैं। जिला नियंत्रण कक्ष में पर वरिष्ठ अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा है कि किसी प्रकार से घबराएं नहीं और प्रशासन का सहयोग करें। प्रशासन के निर्देशों की पालना करें और किसी प्रकार की अधिकृत जानकारी होने पर तुरंत सूचित किया जाएगा।

गैस गोदाम में सिलेंडर फटने से आग लगने की सूचना निकली मॉकड्रिल

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के नजदीक गांव बुकनसर छोटा रोड़ पर स्थित गैस गोदाम में गुरुवार को सिलेंडर फटने से भीषण आग लगने की सूचना प्रशासन की ओर से पुलिस थाना, नगर परिषद, अग्निशमन केंद्र और एंबुलेंस कर्मियों को दी गई। इस दौरान सभी को बताया गया कि आगजनी के दौरान गैस गोदाम में कुछ कर्मचारी घायल हुए हैं। वहीं एक कर्मचारी की मौत भी हो चुकी है। यह सब एक मॉकड्रिल का हिस्सा था। वर्तमान समय में भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे हालात को देखते हुए इस तरह की मोकड्रिल का आयोजन किया जा रहा हैं। सूचना जैसे ही मिली प्रशासन में हड़कंप मच गया। सभी गैस गोदाम के लिए रवाना हुए। सबसे पहले सरदारशहर थाना अधिकारी मदनलाल बिश्नोई पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे ओर पुलिस कर्मियों ने गैस गोदाम में रखे सिलेंडरों को बाहर निकाला और घायल लोगों को बाहर लाया गया। इसके बाद दमकल मौके पर पहुंची और दमकल के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया। वहीं अंदर मौजूद लोगों को दमकल कर्मचारियों ने बाहर निकाला। इस दौरान शहर की करीब एक दर्जन 108 व निजी एंबुलेंस सायरन बजाती हुई मौके पर पहुंची और मौके पर मौजूद घायलों को लेकर तेज सायरन बजाती हुई राजकीय उपजिला अस्पताल पहुंची। जहां पर

घायलों को इमरजेंसी में उपचार के लिए ले जाया गया। इस दौरान सभी प्रशासनिक गाड़ियां और एंबुलेंस जैसे ही एक साथ शहर के मुख्य मार्गो से तेज सायरन बजाती हुई गुजरी हर कोई हैरान रह गया और लोग दौड़े दौड़े राजकीय उपजिला अस्पताल पहुंचे। जहां पर सभी को बताया गया कि यह एक मॉक ड्रिल का हिस्सा था। श्रीनाथ सेवा वाहिनी एंबुलेंस के संचालक समाजसेवी सुनील मीणा ने बताया कि वर्तमान में भारत और पाकिस्तान के बीच जो हालात बने हुए हैं। उसको देखते हुए यह मॉकड्रिल की गई है। इस मॉकड्रिल का मुख्य उद्देश्य है कि अगर कोई बड़ी घटना होती है तो स्थानीय प्रशासन किस तरह से मौके पर पहुंचता है और किस तरह से उन हालातों पर काबू पाया जाता है। तहसीलदार रतनलाल मीणा और नायब तहसीलदार प्रहलाद राय पारीक ने बताया कि जिला कलेक्टर के आदेश पर सभी को एक साथ गैस गोदाम में आग लगने की सूचना दी गई। जिस पर सबसे पहले पुलिस पहुंची और उसके बाद एक के बाद एक जिनको सूचना दी गई वह सभी पहुंचे और जिस प्रकार एक हादसे के दौरान होता है। उसी प्रकार घायलों को राजकीय उपजिला अस्पताल में लाया गया। इस दौरान देखा गया कि राजकीय उपजिला अस्पताल की व्यवस्थाएं भी पूरी तरह से माकूल पाई गई। सभी डॉक्टर और नर्सिंग कर्मचारी अलर्ट मोड पर आ गए।

द धर्मार्थ सेवा संस्थान ने किया सौंदर्यीकरण कार्य में सहयोग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। द धर्मार्थ सेवा संस्था के अध्यक्ष महेश शर्मा ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय संख्या 1 के प्रशासन के साथ मिलकर स्कूल के सौंदर्यीकरण में महती भूमिका निभाई है। स्कूल के प्रधानाध्यापक विद्याधर मेघवाल ने बताया कि स्कूल में रंग रोशन का कार्य करवाया जा रहा था, लेकिन बजट कम था, जिसके चलते हम लोग केवल बाहरी दीवारों पर रंग करवा सकते थे। ऐसे में द धर्मार्थ सेवा संस्था के अध्यक्ष महेश शर्मा हमसे मिले और उन्होंने कहा कि मैं अपनी संस्था में आए लाभांश से यह कार्य सम्पन्न करवाता हूं। जिस पर स्कूल प्रशासन ने बाहरी दीवारों पर और भामाशाह संस्था की ओर से क्लासों की आंतरिक दीवारों पर शानदार रंग रोशन करवाकर सौंदर्यीकरण किया गया है। द धर्मार्थ सेवा संस्था के अध्यक्ष महेश शर्मा ने बताया कि राजकीय

बगड़िया अस्पताल में आने वाले मरीजों के खून पेशाब की जांच 30 से 90 प्रतिशत तक रियायती दरों पर करने का काम उनकी संस्था पिछले 6 महीनों से कर रही है, ताकि कमजोर वर्ग के रोगियों को इसका फायदा मिल सके।

अधिकारियों पर सुनवाई नहीं करने का लगाया आरोप

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के पंचायत समिति में एसडीम डॉ दिव्या चौधरी की ओर से जनसुनवाई के दौरान आरएलपी कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को ज्ञापन देकर समस्या की समाधान की मांग की है। आरएलपी कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के बैनर तले गांधी चौक पर विभिन्न मांगों को लेकर चल रहें धरने से अवगत करवाते हुए विभिन्न मांगों को लेकर किसानों की समस्या के समाधान की मांग की है। किसान नेता रूपचंद सारण ने एसडीएम को बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली, पानी, बीमा क्लेम, क्रॉप कटिंग को लेकर किसानों की समस्या का समाधान कई बार ज्ञापन दिए गए धरना प्रदर्शन किया गया लेकिन समस्या का समाधान अभी तक नहीं हुआ है। जिससे प्रशासन के खिलाफ किसानों में आक्रोश देखा जा रहा है। एसडीम डॉ दिव्या चौधरी ने आरएलपी कार्यकर्ताओं के ज्ञापन के

आधार पर जल्द ही समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया। ज्ञापन देने वालों में रूपचंद सारण राजास, नगर अध्यक्ष धीरेंद्र सैनी, ब्लॉक अध्यक्ष सांवरमल जाखड़, राकेश चौधरी, दिनेश कम्मा, राहुल सैनी, लक्ष्मण राम डूडी, नौरंग लाल सारण, दिलीप कालेरा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिन्दूर के लिए दी सरकार को बधाई

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय गांधी आश्रम अध्यक्ष सुभाष बैदी न भारतीय सेना की ओर से पीओके पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई सैन्य कार्यवाही के लिए केंद्र की मोदी सरकार का आभार जताते हुए सेना को बधाई दी है। बेदी प्रेस वार्ता में कहा कि पहलगाम में जिस प्रकार से आतंकवादियों ने मासूम लोगों को मौत के घाट उतारा, उसका भारतीय सेना ने आतंकवादी ठिकानों को तबाह करके समुचित बदला लिया है। बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आतंकवाद को खत्म करने की दिशा में पूरे विश्व में निर्णायक भूमिका निभाएंगे, क्योंकि वो ही एकमात्र ऐसे नेता हैं, जिनकी निर्णय शक्ति का डंका सब जगह बजता है। बैदी ने कहा कि पीएम मोदी को पूरे विश्व समुदाय के साथ मिलकर विश्व भर से आतंकवार खत्म करने का मिशन शुरू करने की पहल करनी चाहिए।

तारानगर में कंट्रोल रूम स्थापित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। वर्तमान समय में किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए जिला कलक्टर के निर्देशों की पालना में तारानगर में उपखण्ड अधिकारी राजेंद्र कुमार की ओर से कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसके फोन नंबर 01561-241222 है। उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने बताया गया कि आमजन से अपील की जाती है कि प्रतिकूल परिस्थिति में आमजन किसी प्रकार के परिवाद/सूचना को कन्ट्रोल रूम से साझा करें व उपखण्ड स्तरीय समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि कन्ट्रोल रूम से प्राप्त परिवाद/सूचना का त्वरित निस्तारण किया जाकर आमजन को तुरन्त आवश्यक राहत प्रदान किया जाना सुनिश्चित करे।

राजकीय आईटीआई में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चूरू में एनसीवीटी योजनांतर्गत एक वर्षीय व्यवसाय (2025-26) व दो वर्षीय व्यवसाय (2025-27) में 10 मई, 2025 से प्रवेश प्रारंभ होंगे। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान उपनिदेशक नेहा सैनी ने बताया कि प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन राजस्थान सरकार के एकीकृत पोर्टल sso. rajasthan. gov.in/ E-mitra से किए जाएंगे। आवेदन के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 14 वर्ष पूर्ण होना आवश्यक है और आवेदन की अंतिम तिथि 10 जुलाई है। उन्होंने बताया कि महिला अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण निःशुल्क है। अधिक जानकारी के लिए संस्थान के फोन नंबर 01562-253280 पर संपर्क किया जा सकता है।

चूरू में कल संविधान बचाओ रैली, जूली व डोटासरा होंगे शामिल

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से 11 मई को संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा और विधानसभा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली मुख्य अतिथि होंगे। जयपुर रोड पर होने वाली इस रैली में कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष इंद्राज खीचड़ भी मौजूद रहेंगे। इस संबंध में बुधवार को शहर और देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में बैठक हुई। बैठक में पीसीसी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कार्यक्रम की जानकारी दी। रैली में चूरू के लोकसभा सांसद, जिले के सभी विधायक और विधायक प्रत्याशी शामिल होंगे। इसके अलावा पूर्व विधायक, एआईसीसी और पीसीसी पदाधिकारी भी रैली में भाग लेंगे। स्थानीय निकायों से सभापति, प्रधान, जिला परिषद सदस्य और पंचायत समिति सदस्य भी मौजूद रहेंगे। सरपंच, पंच, वार्ड पार्षद और कांग्रेस कमेटी के सभी स्तर के कार्यकर्ता भी रैली में शामिल होंगे।

अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस पर मरीजों को फल वितरित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी चूरू जिला शाखा की ओर से अध्यक्ष जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी की जिला शाखा की ओर से जिला मुख्यालय स्थित राजकीय डीबीएच व एमसीएच विंग में मरीजों को फल व रिकॉर्ड फाइल वितरित की गई। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव रघुनंदन शर्मा ने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी का मूल मंत्र सेवा व धर्म है। हम सभी मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाले ऐसे सेवा कार्यों में सहभागी बनें। कार्यक्रम के दौरान उपाध्यक्ष श्यामसुंदर शर्मा, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. एमएम पुकार, अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपक चौधरी, जगदीश शर्मा, बृजेन्द्र दाधीच, बालकृष्ण बंसिया, राजकुमार भालेरीवाला, जगदीश सर्राफ सहित चिकित्सक व स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

कुम्हार महासभा के प्रदेशाध्यक्ष गोयल का स्वागत

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। दक्ष प्रजापति अतिथि भवन में सर्व कुम्हार महासभा के प्रदेशाध्यक्ष व पूर्व केबिनेट मंत्री सुरेंद्र गोयल के चूरू आगमन पर गुरुवार को प्रजापत समाज ने भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए गोयल ने कहा कि समाज की एकता व समाज को शिखर पर ले जाने वाला एक मात्र सूत्र शिक्षा है। समाज में शिक्षा की चाबी हर प्रकार के ताले को खोल सकती है और समाज की एकता बड़े-बड़े व्यक्तियों को भी झुका सकती हैं। उन्होंने कहा कि समाज में राजनीति की सख्त आवश्यकता है। सो मण सोना एक तरफ रति भर राज। इसलिए राज में भागीदारी बने। इस अवसर पर सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक शंकर लाल दादरवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर समाज बंधुओं ने गोयल का मार्ल्यापण कर, साफा पहनाकर व गुलदस्ता भेंट कर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर सर्व कुम्हार महासभा के जिलाध्यक्ष सुरेश प्रजापत, अध्यक्ष गोपालराम प्रजापत, पूर्व पार्षद छगन प्रजापत, किशन लाल किरोड़ीवाल, कन्हैया लाल टाक, पार्षद लिखमीचंद टाक, मनीराम प्रजापत, सरपंच ओमप्रकाश खींवासर, मुकेश कड़वासर, कुलदीप प्रजापत, चिरंजीलाल प्रजापत, महावीर प्रजापत, भवानीशंकर, सुनील प्रजापत, नोरतन प्रजापत, दयाचंद प्रजापत, बलदेव बूंटिया, बजरंग प्रजापत, मदन प्रजापत, सोहनलाल प्रजापत सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग खण्ड, कठूमर (अलवर)

जिला अलवर आगामी ग्रीष्म ऋतु 2025 में आमजन की पेयजल की समस्याओं के निवारण हेतु अलवर में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष नं. 0144-2337900 है। यह समय प्रातः 6:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक कार्यरत रहेगा राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्रीष्मकाल में PHED का जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित जो दिनांक 31.07.2025 तक चालू रहेगा

रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून।
पानी बिना ना उबरे, मोती मानस चून ॥

बदलती जीवनशैली और बदलते शहरीकरण के कारण पानी की मांग लगातार बढ़ रही है।
भू-जल अतिदोहन के कारण पानी की कमी निरन्तर बढ़ रही है।
अतः जीवन को सुरक्षित रखना है तो वर्षा एवं भूमिगत जल को संरक्षित रखना होगा। के दूरुपयोग को रोकना होगा वरना जीवन खतरे में पड़ जायेगा।
आओ हम दैनिक कार्यों में जल उपयोग के निम्नांकित तरीकों को अपनाकर जल की बचत कर आने वाली पीढ़ी के जीवन को सुरक्षित रखने में सहयोग प्रदान कर सकते हैं-

जल बिन सब सून

' जल ही जीवन है ' जल के बिना जीवन सुरक्षित नहीं है इस बाबत महान कवि रहिमनजी ने भी अपने निम्नांकित दोहे के मार्फत जीवन पर जल की उपयोगिता का चित्रण किया है।

बचे हर बूंद, पले जीवन, हमने किये हैं वो सारे जतन । अब आगे आये एक-एक जन, जल संचय में लगा दे तन मन ।।

क्र. सं.	दैनिक क्रिया का नाम	खर्च पानी की मात्रा लीटर में	जल उपयोग करने के तरीके	पानी बचत की मात्रा लीटर में
1.	स्नान करने में	फव्वारे से - 180 लीटर	बाल्टी से 18 लीटर	162 लीटर
2.	शौचालय जाने में	फ्लक्स टैंक से 13 लीटर	छोटी बाल्टी से 4 लीटर	9 लीटर
3.	शेव करने में	नल खोलकर करने से 11 लीटर	मग से पानी लेकर 1 लीटर	10 लीटर
4.	दंत मंजन	नल खोलकर करने में 33 लीटर	मग या छोटे लोटे से पानी लेकर 1 लीटर	32 लीटर
5.	कपड़ों की धुलाई	नल खोलकर करने में 166 लीटर	बाल्टी के उपयोग से 18 लीटर	148 लीटर
6.	एक लॉन / कोर्ट यार्ड में 10,000 से 12,000 लीटर उपयोग किये जल से एक छोटे परिवार हेतु एक माह का जल उपलब्ध हो सकता है।			
7.	प्रति सैकण्ड नल से टपकती जल बूंद से एक दिन में 17 लीटर जल का अपव्यय होता है।			
8.	इसके अलावा उपभोक्ता अपनी सर्विस लाईनों की मरम्मत कर पानी के रिसाव को रोककर भी सहयोग प्रदान कर सकते हैं।			
9	जलदाय विभाग की पाईप लाईनों में यदि कहीं लीकेज हो तो उसकी सूचना भी विभाग को समय पर देकर सहयोग कर सकते हैं।			

हाथ धोते समय कम से कम पानी का उपयोग करें।

शेविंग या बर्तन धोते समय जब प्रयोग में न हो, नल बंद कर दें

अपने दाँत ब्रश करते समय एक कप या गिलास का उपयोग करें

नहाते समय शॉवर की बजाय बाल्टी का इस्तेमाल करें

सब्ज़ियों को धोने के लिए नल के पानी को चलाने से बचें, इसके बजाय एक कटोरी का उपयोग करें, पानी डालें और फिर इन्हें धो ले

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग खण्ड, कठूमर (अलवर)

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।